P372

इंदौर, मंगलवार 06 जनवरी 2026
■ वर्ष : 5 ■ अंक : 61
■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

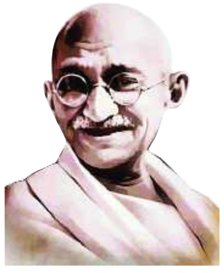

राष्ट्रपिता को नमन...

अंदर के पन्नों पर...

कोहरे की चपेट में मध्यप्रदेश

पेज-2

फ्रीगंज के फुट ओवरब्रिज को ढहाया

पेज-5

मंत्री सिलावट सेम्स में मरीजों से मिले

पेज-6

मध्यप्रदेश में संभागीय प्रचारक की नई व्यवस्था से जमीनी पकड़ मजबूत करने की तैयारी

बदलेगा स्वयंसेवक संघ का सांगठनिक ढांचा, प्रांत प्रचारक का पद होगा समाप्त

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल • अपनी स्थापना के 100 वर्ष पूरे कर चुके राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने समय और परिस्थितियों के अनुरूप अपने संगठनात्मक ढांचे में बड़े बदलाव की दिशा में कदम बढ़ा दिए हैं। मध्यप्रदेश में भी संघ की व्यवस्था में परिवर्तन होने जा रहा है। नई व्यवस्था के तहत अब मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ अलग-अलग होंगे और प्रांत प्रचारक का पद समाप्त किया जाएगा और इसके स्थान पर संभागीय प्रचारक की नई प्रणाली लागू की जा सकती है। इस बदलाव को संघ की दीर्घकालिक सामाजिक और संगठनात्मक रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। इसका मकसद संघ कार्य और प्रभावी बनाना है।

प्रदेश में संघ की नई व्यवस्था को लेकर जनवरी के मध्य तक एक महत्त्वपूर्ण बैठक आयोजित की जा रही है। इस बैठक में संघ के वरिष्ठ पदाधिकारी प्रदेश स्तर पर नए स्वरूप पर चर्चा करेंगे। संघ के ढ़ाचे में परिवर्तन नागपुर में बनी कार्ययोजना पर हो रहा है। वर्तमान में मध्यप्रदेश संघ की दृष्टि से तीन प्रांतों-मध्य प्रांत, मालवा प्रांत और महाकौशल प्रांत में विभाजित है, वहीं छत्तीसगढ़ अभी एक प्रांत है, इसकी संगठनात्मक व्यवस्था अब राज्य के रूप में होगी। वहीं एमपी में तीनों प्रांतों में अलग-अलग प्रांत प्रचारक कार्यरत हैं। प्रस्तावित बदलाव के बाद प्रांत प्रचारक का पद समाप्त कर एक प्रदेश प्रचारक का नया पद सृजित किया जाएगा। इसके नीचे संभागीय प्रचारक नियुक्त किए जाएंगे। नई व्यवस्था के अनुसार, संभागीय प्रचारक होंगे, इन्हें विभाग प्रचारक कहा जाएगा। जिला प्रचारक की संरचना पूर्व की तरह बनी रहेगी। यानी जिला स्वयंसेवकों की कार्यप्रणाली में कोई बड़ा बदलाव नहीं होगा, लेकिन निर्णय और समन्वय की प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाया जाएगा। संघ का मानना है कि संभाग स्तर पर प्रचारक नियुक्त होने से संगठन की पहुंच गांव, कस्बों और शहरों तक और अधिक मजबूत होगी।

इस बदलाव को संघ की जमीनी मजबूती से भी जोड़कर देखा जा रहा है। जानकारों का मानना है कि प्रांत स्तर की बजाय संभाग स्तर पर नेतृत्व होने से कार्यकर्ताओं और स्वयंसेवकों के साथ सीधा संपर्क बढ़ेगा। इससे संगठनात्मक गतिविधियों की निगरानी आसान होगी और समाज सेवा, विचार प्रसार और संपर्क अभियानों को नई गति मिलेगी।

इसलिए पड़ी बदलाव की जरूरत : संघ से जुड़े जानकारों के अनुसार, इस तरह के बदलाव संघ में अचानक नहीं किए जाते। इसके पीछे लंबी रिसर्च, आंतरिक मूल्यांकन और सामाजिक-राजनीतिक परिस्थितियों का गहन अध्ययन होता है। संघ यह महसूस कर रहा है कि बढ़ती जनसंख्या, बदलते सामाजिक समीकरण और तकनीकी प्रभाव के दौर में संगठन को और अधिक लचीला और सक्रिय बनाने की जरूरत है। संभागीय स्तर पर नेतृत्व मजबूत होने से स्थानीय मुद्दों को बेहतर ढंग से समझा जा सकेगा और समाज के विभिन्न वर्गों से संवाद और प्रभावी होगा।

सोशल मीडिया पर भी बदलेगी संघ की रणनीति

संगठनात्मक ढांचे में बदलाव के साथ-साथ संघ अपनी कार्यशैली में भी आशिक परिवर्तन करने जा रहा है। अब तक संघ की पहचान एक ऐसे संगठन के रूप में रही है, जो बिना शोर-शराबे के चुपचाप समाज में काम करता है। लेकिन बदलते समय के साथ संघ अब अपने कार्यों को अधिक स्पष्ट रूप से समाज के सामने लाने की तैयारी में है। इसी कड़ी में संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत देशभर का दौरा कर रहे हैं। वे विभिन्न मंचों से संघ के सामाजिक योगदान, सेवा कार्यों और अब तक के संघर्षों को जनता के सामने रख रहे हैं। इसके साथ ही संघ सोशल मीडिया पर भी सक्रिय होने की योजना बना रहा है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए संघ द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य, आपदा राहत, सामाजिक समरसता और राष्ट्र निर्माण के लिए किए जा रहे कार्यों को जनसमूह तक पहुंचाया जाएगा। संघ के जानकारों का कहना है कि यह बदलाव प्रचार नहीं, बल्कि पारदर्शिता और संवाद बढ़ाने की दिशा में कदम है। संगठन चाहता है कि समाज विशेषकर युवा वर्ग संघ के कार्यों को प्रत्यक्ष रूप से समझे और उनसे जुड़े।

बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ नहीं थम रही हिंसा, 18 दिनों में 6 हिंदुओं की हत्या

नई दिल्ली (एजेंसी) • बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हमले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। उस्मान हादी की हत्या के बाद भड़की हिंसा में 18 दिनों में 6 हिंदुओं की हत्या हो चुकी है। इनमें से दो हत्याएं बीते 24 घंटे में अंजाम दी गई हैं। हैरान करने वाली बात है कि इन हत्याओं के बावजूद बांग्लादेश की मोहम्मद यूनुस सरकार के कान पर जूं नहीं रेंग रही है।

बांग्लादेश के नरसिंगदी में सोमवार को एक किराने की दुकान के मालिक शरत चक्रवर्ती मणि की बेरहमी से हत्या कर दी गई। वहीं सोमवार के ही दिन जशोर के मनीरामपुर में गोली मारने के बाद गला काट कर हिंदू पत्रकार राणा प्रताप बैरागी की नृशंस हत्या को अंजाम दिया गया। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक राजधानी ढाका के बाहरी इलाके नरसिंगदी में 40 वर्षीय हिंदू युवक शरत चक्रवर्ती मणि की चरमपंथियों धारदार हथियारों से हमला कर हत्या कर दी। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि शरत नरसिंगदी के चारसिंदूर बाजार में अपनी किराने की दुकान पर थे। इसी दौरान अज्ञात हमलावरों ने अचानक उन पर धारदार हथियारों से हमला कर दिया। वे गंभीर रूप से घायल हो गए। जब स्थानीय लोग उन्हें अस्पताल ले जा रहे थे, तो रास्ते में ही उन्होंने दम तोड़ दिया। मृतक शरत चक्रवर्ती मणि पहले दक्षिण कोरिया में काम करते थे और कुछ साल पहले बांग्लादेश लौट आए थे। मृतक शरत चक्रवर्ती मणि पहले दक्षिण कोरिया में काम करते थे और कुछ साल पहले बांग्लादेश लौट आए थे। बांग्लादेश के सामाजिक कार्यकर्ता बप्पादित्य बसु ने शरत की हत्या का कड़ा विरोध किया।

ई-कैबिनेट बैठक

मंत्रियों व सचिवों को टैबलेट के साथ आज मिलेगा प्रशिक्षण

एप्लीकेशन से मंत्री कभी भी कैबिनेट का एजेंडा देख सकेंगे

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल • मप्र सरकार की ओर से ई-कैबिनेट बैठकें आयोजित करने की तैयरियां अंतिम चरण में हैं। मंगलवार को होने वाली कैबिनेट की बैठक में सभी मंत्रियों एवं भारसाधक सचिवों को टैबलेट प्रदान किए जाएंगे। बैठक में कैबिनेट के सदस्य एवं भारसाधक सचिवों को ई-कैबिनेट एप्लीकेशन के संबंध में प्रस्तुतिकरण एवं प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिससे डिजिटल प्रणाली का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित किया जा सके। प्रारंभिक चरण में कुछ कैबिनेट बैठक का एजेंडा भौतिक एवं डिजिटल-दोनों फॉर्मेट में उपलब्ध कराया जाएगा। ई-कैबिनेट एप्लीकेशन से मंत्री कभी भी कहीं भी अपनी सुविधा अनुसार कैबिनेट की कार्यसूची देख सकेंगे। ई-कैबिनेट एप्लीकेशन से कागज एवं समय की भी बचत होगी।

नए साल की पहली कैबिनेट बैठक आज-मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार सुबह 11 बजे कैबिनेट की बैठक मंत्रालय में होगी। यह नए साल की पहली कैबिनेट होगी। बैठक में 10 से ज्यादा प्रस्तावों पर चर्चा के बाद उन्हें मंजूरी दी जाएगी। मुख्यमंत्री अंतरराष्ट्रीय रामायण सम्मेलन, दूसरे गीत भवन के लोकार्पण, डिजीफेस्ट-टीआईई ग्लोबल समिट की जानकारी देंगे।

न्यूज ब्रीफ

- इंडोनेशिया के उत्तरी सुलावेसी में फ्लैश फ्लड का कहर, 14 लोगों की मौत, 4 लापता
- दिल्ली में एनकाउंटर... 69 गोलियां बरसाने वाले गिरोह के 2 शूटर गिरफ्तार
- पीएम मोदी ने ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी को दी जन्मदिन की बधाई
- कांग्रेस के सीनियर नेता सुरेश कलमाड़ी का निधन
- जापान के चुगोकू रीजन में भूकंप से हिली धरती, 6.2 मापी गई तीव्रता
- 2026 गणतंत्र दिवस परेड की रिहर्सल, दिल्ली के कर्तव्य पथ पर तैयारियां जोरों पर
- वेनेजुएला : राष्ट्रपति भवन के पास गोलीबारी, हवा में नजर आए ड्रोन्स
- ईरान में आर्थिक संकट के खिलाफ प्रदर्शन में कम से कम 29 लोगों की मौत, 1200 हिरासत में
- रूसी तेल विवाद पर रिलायंस का जवाब, जामनगर की ओर जहाज़ बढ़ने की खबर को बताया भ्रामक
- इजरायल ने दक्षिणी लेबनान में की एयरस्ट्राइक, इमारत तबाह
- डेल्सी रोड्रिगेज ने वेनेजुएला की अंतरिम राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली

मध्यप्रदेश में 14 जनवरी से आनंद उत्सव

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल • मध्यप्रदेश में सामाजिक समरसता, आपसी सहयोग तथा मानसिक-आध्यात्मिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राज्य आनंद संस्थान द्वारा 14 जनवरी से प्रदेशव्यापी आनंद उत्सव की शुरुआत की जा रही है। यह उत्सव गांव से लेकर शहर तक लगभग 10 हजार स्थानों पर आयोजित होगा, जिसमें समाज के सभी वर्गों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। राज्य के 55 जिलों के ग्रामीण और नगरीय क्षेत्रों में एक साथ आनंद उत्सव आयोजित किए जाएंगे। इन आयोजनों में महिलाओं, युवाओं, बुजुर्गों और दिव्यांगजनों की सहभागिता पर विशेष जोर रहेगा। आनंद उत्सव का उद्देश्य लोगों को दैनिक तनाव, प्रतिस्पर्धा और एकाकी जीवन से बाहर निकालकर सामूहिक गतिविधियों के माध्यम से आनंद, अपनत्व और सहयोग की भावना से जोड़ना है। उत्सव के दौरान खेलकूद, योग, ध्यान, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, लोकनृत्य, संगीत, भजन-कीर्तन, रस्साकशी, दौड़ सहित अनेक मनोरंजक एवं स्वास्थ्यवर्धक गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। बच्चों के लिए खेल सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी।

रोड शो के दौरान ज्योतिरादित्य सिंधिया के बेटे महाआर्यमन हुए चोटिल, गाड़ी में अचानक ब्रेक लगने से हुआ हादसा

शिवपुरी (एजेंसी) • केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के पुत्र और मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (एमपीसीए) के अध्यक्ष महा आर्यमन सिंधिया मामूली चोटिल हो गए। बताया गया है कि वे स्टेडियम में लोगों का अभिवादन कर रहे थे, तभी गाड़ी में अचानक ब्रेक लगने से उन्हें चोट लगी। सीने में चोट और दर्द की शिकायत के बाद महा आर्यमन सिंधिया जिला अस्पताल पहुंचे, जहां उन्होंने सीटी स्कैन कराकर प्राथमिक उपचार लिया। माहा आर्यमन सिंधिया शिवपुरी के अपने इस दौरे पर पहली बार आए हैं। एमपीसीए अध्यक्ष बनने के बाद आज उनका यह दूसरा दिन है। रविवार शाम शिवपुरी पहुंचने पर उनका भव्य रोड शो भी आयोजित किया गया था, जिसमें बड़ी संख्या में समर्थक मौजूद रहे। इस दौरान सांसद प्रतिनिधि राकेश गुप्ता और उनके पुत्र अमर गुप्ता ने सिक्कों से उनका सम्मान किया।

चुप्पी कटनी जिले के द्वारका भवन में राज्य शिक्षक सम्मान समारोह में शामिल होने पहुंचीं मंत्री

इंदौर त्रासदी पर सवाल सुनते ही भड़कीं मंत्री प्रतिमा बागरी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

कटनी • जिले में एक कार्यक्रम के दौरान, मध्य प्रदेश की नगरीय प्रशासन राज्य मंत्री प्रतिमा बागरी इंदौर में दूषित पानी से हुई मौतों के बारे में पूछे गए सवालों से असहज होकर मीडिया से बचकर निकल गईं। इस घटना का वीडियो वायरल होने के बाद कांग्रेस ने सरकार पर हमला बोला है, जबकि सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने कहा कि सरकार इस मामले को लेकर गंभीर है और दोषियों पर कार्रवाई की जाएगी।

सवाल पर हुईं असहज : कटनी जिले के द्वारका भवन में राज्य शिक्षक सम्मान समारोह में शामिल होने पहुंचीं मंत्री प्रतिमा बागरी से पत्रकारों ने इंदौर में दूषित पानी पीने से हुई मौतों और इस पर राहुल गांधी के ट्वीट के बारे में सवाल पूछे। सवाल सुनते ही मंत्री चुप हो गईं और इंदौर मामले पर कुछ भी बोलने के बजाय करीब एक मिनट तक 'शिक्षा संघ' और 'शिक्षक सम्मान' के बारे में बात करती रहीं। जब पत्रकारों ने दोबारा सवाल पूछा, तो उन्होंने औपचारिक 'धन्यवाद' कहकर माइक झटक दिया और तेजी से अपनी गाड़ी की ओर बढ़ गईं।

सांसद ने संभाली स्थिति : मंत्री के इस रवैये से बिगड़ी स्थिति को संभालने के लिए कार्यक्रम में मौजूद सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने मीडिया से बात की। उन्होंने कहा कि सरकार इंदौर मामले को लेकर बेहद गंभीर है। कई अधिकारियों पर कार्रवाई की जा चुकी है और आगे भी सख्त कदम उठाए जाएंगे। सांसद ने यह भी कहा कि यह मुद्दा सिर्फ इंदौर तक सीमित नहीं है, बल्कि जहां भी लापरवाही बरती जाएगी, वहां कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

कांग्रेस ने बोला हमला

इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होते ही कांग्रेस ने मध्य प्रदेश की बीजेपी सरकार पर तीखा हमला बोला है। इंडियन नेशनल कांग्रेस ने एक्स (पहले ट्विटर) पर वीडियो शेयर करते हुए लिखा, 'ये हैं प्रतिमा बागरी- मध्य प्रदेश की बीजेपी सरकार में नगरीय विकास मंत्री हैं। इंदौर में गंदे पानी से हुई मौतों पर सवाल सुनते ही मंत्री साहिबा माइक झटककर चुपचाप निकल गईं। लोग मर रहे हैं, परिवार बिलख रहे हैं, लेकिन इन मौतों के जिम्मेदार सवालों से पीछा छुड़ाने में लगे हैं।'

महाधिवक्ता की नई टीम को चुनौती, चयन पर उठे सवाल

जबलपुर के वकील ने हाईकोर्ट में लगाई याचिका

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल • महाधिवक्ता कार्यालय के 157 लॉ ऑफिसरों की हाल ही में जारी सूची पर विवाद उठ गए हैं। एक अधिवक्ता ने हाईकोर्ट में याचिका दायर करके नियुक्ति प्रक्रिया में मनमानी के आरोप लगाए हैं। कोर्ट में इसी हफ्ते सुनवाई हो सकती हैं। बिलहरी निवासी अधिवक्ता योगेश सोनी की याचिका में बीते 25 दिसंबर को सरकार के विधि विभाग द्वारा जारी की गई सूची पर सवाल उठाए गए हैं। आरोप लगाया गया है कि नियुक्ति प्रक्रिया पूरी तरह अपारदर्शी, मनमानी और पक्षपातपूर्ण रही, जिसमें केवल प्रैक्टिस के वर्षों को निर्णायक आधार बनाकर कानून और संवैधानिक सिद्धांतों की अनदेखी की गई। याचिका के अनुसार वर्ष 2013 की राजपत्र अधिसूचना में सरकारी वकीलों की नियुक्ति के लिए निर्धारित प्रक्रिया तय की गई है, लेकिन हाल ही में जारी सूची में उसका उल्लंघन किया गया, जो अवैधानिक है। आरोप यह भी है कि लॉ ऑफिसरों के पद पर नियुक्ति को लेकर वकीलों से आवेदन तो बुलाए गए, लेकिन यह कहीं भी नहीं बताया गया कि उन आवेदनों की जांच, मूल्यांकन और शॉर्टलिस्टिंग किस आधार पर की गई।

प्रायवेट स्कूलों को भी कम कीमत में किताबें उपलब्ध कराएगा पापुनि

मंत्री उदय प्रताप सिंह ने दिए अधिकारियों को निर्देश

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर/भोपाल ● मप्र सरकार का पाठ्य पुस्तक निगम सरकारी स्कूलों के साथ ही प्रायवेट स्कूलों को कम कीमत में गुणवत्तापूर्ण किताबें उपलब्ध कराएगा। सस्ती किताबें एमपी बोर्ड पाठ्यक्रम संचालित करने वाले स्कूलों को उपलब्ध कराई जाएंगी। स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारी प्रायवेट स्कूल संचालकों के साथ बैठक कर उनसे पुस्तकों की जरूरत के संबंध में चर्चा करेंगे, ताकि विद्यार्थियों को सस्ती किताबें उपलब्ध कराई जा सकें।

स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने विभागीय अधिकारियों को इस संबंध में निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि विभाग की इस सुविधा का विद्यार्थियों और अभिभावकों के मध्य व्यापक प्रचार-प्रसार भी किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को आगामी शिक्षण सत्र के पूर्व ही समस्त पाठ्य पुस्तकें मुद्रित कराने के निर्देश दिए हैं। मंत्री सिंह ने फरवरी, 2026 तक सभी स्कूल भवनों में विद्युत कनेक्शन सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए हैं। इस कार्य की साप्ताहिक समीक्षा भी करने के लिए विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। उन्होंने यथाशीघ्र पूर्ण रूपेण क्रियाशील बालिका शौचालयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश भी प्रदान किए। मंत्री सिंह ने प्रदेश के लगभग 3 हजार 300 हाई और हायर सेकंडरी स्कूलों में कक्षा नवीं से व्यवसायिक शिक्षा अंतर्गत एआई एवं आईटी विषयों पर आधारित कोर्स के संचालन और कक्षा छठी से आठवीं तक के विद्यार्थियों के लिए कोडिंग के प्रशिक्षण का सुचारू संचालन करने के निर्देश दिए।

बता दें कि हर शिक्षण सत्र शुरू होने पर शिकायतें सामने आती हैं कि स्कूल संचालक निर्धारित दुकान से किताबें और स्कूल यूनिफॉर्म खरीदने का दबाव बनाते हैं। पाठ्य पुस्तक निगम द्वारा स्कूलों को किताबें उपलब्ध कराने पर विद्यार्थियों को सस्ती किताबें मिल सकेंगे। देखना होगा कि प्रायवेट स्कूल संचालक पाठ्य पुस्तक निगम से किताबें लेने की कितनी रुचि दिखाते हैं।

एफएचआरएआई का डेटा सुरक्षा, साइबर सुरक्षा संबंधी शिखर सम्मेलन सम्पन्न

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● फेडरेशन ऑफ होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एफएचआरएआई) ने होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन वेस्टर्न इंडिया के सहयोग से गत दिवस इंदौर के ओमनी रेजिडेंसी में डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन नियम 2025 पर इंडस्ट्री जागरूकता शिखर सम्मेलन का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस शिखर सम्मेलन का फोकस हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री के लिए भारत के नए डेटा सुरक्षा फ्रेमवर्क की स्पष्टता, तैयारी और सेक्टर-विशिष्ट की समझ विकसित करना था।

यह शिखर सम्मेलन डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट 2023 के तहत अधिसूचित डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन नियम 2025 के संदर्भ में आयोजित किया गया था, जो डेटा गवर्नेंस के प्रति भारत के दृष्टिकोण में एक महत्वपूर्ण बदलाव का प्रतीक है। चर्चाओं में इस बात पर प्रकाश डाला गया कि कैसे डेटा सुरक्षा एक मुख्य परिचालन और रणनीतिक प्राथमिकता के रूप में उभरा है, खासकर हॉस्पिटैलिटी सेक्टर के लिए जो मेहमानों के जुड़ाव, सेवा वितरण और व्यवसाय वृद्धि के लिए बड़े पैमाने पर डिजिटल प्लेटफॉर्म और प्रौद्योगिकी संचालित सेवाओं पर निर्भर करता है।

इस शिखर सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में मध्य प्रदेश सरकार के जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट उपस्थित हुए। इंडस्ट्री के नेतृत्व का प्रतिनिधित्व एफएचआरएआई के अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार जायसवाल एचआरएडब्ल्यूआई के अध्यक्ष जिमी शॉ, एफएचआरएआई के मानद सचिव गिरीश ओबेरॉय और एचआरएडब्ल्यूआई के कार्यकारी समिति सदस्य और इंदौर होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष सुमित सूरी ने किया। अन्य गणमान्य व्यक्तियों में एफएचआरएआई के तत्काल पूर्व अध्यक्ष के श्यामा राजू और एफएचआरएआई के पूर्व अध्यक्ष प्रदीप शेट्टी शामिल थे।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपने एक वीडियो संदेश के माध्यम से कहा कि मध्य प्रदेश में हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री में अपार संभावनाएं हैं। हम वन, धार्मिक, सांस्कृतिक आदि सभी प्रकार के पर्यटन को बढ़ावा देकर इंडस्ट्री का समर्थन कर रहे हैं। हमें उम्मीद है कि राज्य में बड़े प्रोजेक्ट्स के लिए निवेश पर 30 प्रतिशत तक सब्सिडी के साथ बहुत सारे नए होटल प्रोजेक्ट आएंगे। मध्य प्रदेश के जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने कहा कि 'मध्य प्रदेश सरकार ने वर्ष 2025 को उद्योग नीतियों को समर्पित किया है। हम आपको विश्वास दिला सकते हैं कि राज्य की पर्यटन और हॉस्पिटैलिटी नीति आज देश में सबसे अच्छी नीतियों में से एक है। मुझे यह भी लगता है कि डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन पर ये चर्चाएँ उद्योग को एक नई सुबह और दिशा देंगी। हम प्रधानमंत्री मोदी के पर्यटन विकास के विज़न के अनुरूप भी है। शिखर सम्मेलन के परिणामों पर बोलते हुए, एफएचआरएआई के अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार जायसवाल ने कहा कि डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन नियम 2025 भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

कोहरे की चपेट में मध्यप्रदेश, कई इलाकों में पारा 4 डिग्री के करीब, स्कूल बंद, ट्रेनें लेट

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्यप्रदेश इन दिनों भीषण ठंड और घने कोहरे की गिरफ्त में है। प्रदेश के ज्यादातर जिलों में सुबह होते ही कोहरे की मोटी परत छा जा रही है, जिससे विजिबिलिटी बेहद कम हो गई है। कई जगहों पर 20 मीटर दूर तक देख पाना भी मुश्किल हो रहा है। कोहरे के साथ चल रही शीतलहर ने आम जनजीवन की रफ्तार थाम दी है ठंड का असर तापमान में साफ नजर आ रहा है। शहडोल जिले के कल्याणपुर में न्यूनतम तापमान 3.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जबकि दतिया में पारा 4.4 डिग्री तक पहुंच गया। राजगढ़ और खजुराहो में 5.4 डिग्री, मुरैना और मलाजखंड में 5.5 डिग्री, उमरिया में 5.7 डिग्री और मंडला व पचमढ़ी में 5.8 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। पहाड़ी और वन क्षेत्रों में सर्द हवाओं के कारण ठंड का असर और ज्यादा महसूस किया जा रहा है। राजधानी भोपाल समेत बड़े शहर भी ठिठुरते रहे। भोपाल में न्यूनतम तापमान 6.8 डिग्री, ग्वालियर में 6.4 डिग्री, इंदौर में 8.6 डिग्री, उज्जैन में 9.5 डिग्री और जबलपुर में 9 डिग्री दर्ज किया गया।

दिन में भी दिख रहा असर

लगातार कोहरे की वजह से दिन में धूप कमजोर रही, जिससे ठंड पूरे दिन बनी रही। तेज सर्दी और कम विजिबिलिटी को देखते हुए प्रशासन ने 24 जिलों में नर्सरी से 8वीं तक के स्कूलों में छुट्टी घोषित की है। वहीं भोपाल, सीहोर, धार और अनूपपुर समेत कुछ जिलों में स्कूलों की टाइमिंग आगे बढ़ाई गई है, ताकि बच्चों को सुबह की कड़ाके की ठंड से राहत मिल सके।

कोहरे का असर यातायात पर भी

कोहरे का असर यातायात पर भी पड़ा है। दिल्ली से मध्यप्रदेश आने वाली कई ट्रेनें अपने निर्धारित समय से 2 से 3 घंटे की देरी से चल रही हैं। मालवा, सचखंड और शताब्दी एक्सप्रेस जैसी प्रमुख ट्रेनें भी लेट पहुंच रही हैं। सड़कों पर वाहन धीमी रफ्तार से चल रहे हैं और सुबह के समय हादसों की आशंका बनी हुई है।

इस लिए प्रदेश ऐसा मौसम

मौसम विभाग के अनुसार अरब सागर से आ रही नमी और हवा की गति बेहद कम होने के कारण वातावरण में नमी 100 प्रतिशत तक पहुंच गई है। जब हवा शांत रहती है और नमी अधिक होती है, तो बादल नीचे उतर आते हैं और घना कोहरा बनता है। विभाग ने चेतावनी जारी की है कि अगले दो से तीन दिनों तक प्रदेश के कई हिस्सों में कोहरा और शीतलहर का असर बना रह सकता है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि अत्यधिक ठंड के दौरान आवश्यक सावधानियां बरतें, सुबह और रात के समय बेवजह बाहर निकलने से बचें और वाहन चलाते समय फॉग लाइट का उपयोग करें।

खजराना में आज से तिल चतुर्थी मेला सवा लाख लड्डुओं का भोग लगेगा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर के खजराना गणेश मंदिर में 6 से 8 जनवरी तक तीन दिवसीय पारंपरिक तिल चतुर्थी मेला आयोजित किया जाएगा। मेले को लेकर मंदिर परिसर में धार्मिक और सांस्कृतिक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

मेले के पहले दिन कल मंगलवार को सुबह भगवान गणेश को तिल और गुड़ से बने सवा लाख लड्डुओं का भोग अर्पित किया जाएगा। भोग के प्रसाद वितरण का शुभारंभ कलेक्टर एवं मंदिर प्रबंधन समिति के अध्यक्ष शिवम वर्मा और निगमायुक्त द्वारा किया जाएगा। भक्त मंडल के अरविन्द बागड़ी ने बताया कि मंदिर के पुजारी पं. अशोक भट्ट, पं. सुमित भट्ट और पं. पुनीत भट्ट के सानिध्य में दस भट्टियों पर लड्डुओं का निर्माण किया जा रहा है। 7 जनवरी को गणेशजी को गोंद के लड्डुओं का भोग लगाया जाएगा, जबकि 8 जनवरी को उड़द के लड्डुओं का भोग अर्पित किया जाएगा। तिल चतुर्थी मेले का शुभारंभ 6 जनवरी को सुबह 10 बजे ध्वजा पूजन के साथ होगा। इस अवसर पर भगवान गणेश को आकर्षक फूल बंगले में विराजमान किया जाएगा। मंदिर को विशेष विद्युत सज्जा से सजाया गया है।

रोजगार मेला सम्पन्न

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्यप्रदेश शासन और जिला प्रशासन के निर्देशानुसार बेरोजगार आवेदकों को एक छत के नीचे रोजगार और स्वरोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला रोजगार कार्यालय, आईटीआई और जिला उद्योग केंद्र इंदौर के सामूहिक प्रयास से आज संयुक्त रोजगार मेले (युवा संगम) का आयोजन किया गया। इस युवा संगम कार्यक्रम में कुल 12 कंपनियों द्वारा विभिन्न रिक्त पदों की पूर्ति हेतु 167 आवेदकों का नौकरी और अप्रेंटिसशिप हेतु प्रारम्भिक रूप से चयन किया गया। जिला रोजगार कार्यालय के उप संचालक पी.एस. मण्डलोई ने बताया कि इस रोजगार मेले में कुल 284 उम्मीदवारों ने पंजीयन कराया था, जिसमें से कुल 230 युवक एवं 54 युवतियां शामिल हैं।

भर्ती के लिए आवश्यक औपचारिकताएं समय से करें पूर्ण - शुक्ल

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने मंत्रालय में लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग की विस्तृत समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने बैठक में उपकरणों की खरीदी समय से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही पीएम-अभीम, 15वें वित्त आयोग की राशि और राज्य बजट का निर्धारित समय-सीमा में उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए। उन्होंने सामान्य प्रशासन विभाग एवं विधि विभाग से सतत संपर्क में रहकर मेन-पॉवर की भर्ती से संबंधित अग्रेषित प्रकरणों पर तत्परता से कार्यवाही के निर्देश दिए।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने शासकीय मेडिकल कॉलेजों में ट्यूटर/डिमॉन्स्ट्रेटर पदों पर नियमित भर्ती के निर्देश दिए। साथ ही मेडिकल कॉलेजों के अंतर्गत संचालित नर्सिंग कॉलेजों के नर्सिंग शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया के लिए सामान्य प्रशासन विभाग से शीघ्र अभिमत प्राप्त करने के लिए नियमित संपर्क में रह आवश्यक औपचारिकताओं की प्राथमिकता से पूर्ति के निर्देश दिए। अस्पताल सहायक के लगभग 1200 पदों और 1260 नर्सिंग पदों की भर्ती से संबंधित विषय जो कि वर्तमान में विधि विभाग में लंबित हैं, उनकी अद्यतन स्थिति की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने एयर एम्बुलेंस के संचालन की समीक्षा की और विधिवत संचालन के लिए नियमित निगरानी के निर्देश दिए।

सिम्बायोसिस इंटरनेशनल ने अंडरग्रेजुएट प्रोग्रामों के लिए आवेदन शुरू किए

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● पुणे, 30 दिसम्बर, 2025: सिम्बायोसिस इंटरनेशनल (डीम्ड युनिवर्सिटी) ने अपने फुल-टाईम अंडरग्रेजुएट प्रोग्रामों में प्रवेश के लिए SET 2026 (सिम्बायोसिस एंट्रेंस टेस्ट) और SITEEE 2026 (सिम्बायोसिसइंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी इंजीनियरिंग एंट्रेंस एक्ज़ाम) के लिएरजिस्ट्रेशन शुरू किए हैं। इच्छुक छात्र 15 अप्रैल 2026 तक इन परीक्षाओं के लिए आवेदन कर सकते हैं। SET और SITEEE दोनों कम्प्यूटर-बेस्ड टेस्ट हैं, जिनका संचालनसिम्बायोसिस इंटरनेशनल (डीम्ड युनिवर्सिटी) द्वारा कई अंडरग्रेजुएटप्रोग्रामों के लिए किया जाता है। इनके ज़रिए छात्र सिम्बायोसिस संस्थानोंमें बीबीए, बीसीए, बीए, बीएससी और बीटेक में प्रवेश पा सकते हैं।

जावा येज़्दी मोटरसाइकिल्स की टॉप-सेलिंग येज़्दी एडवेंचर और रोडस्टर अब अमेज़न और फ्लिपकार्ट पर उपलब्ध

इंदौर ● जावा येज़्दी मोटरसाइकिल्स ने साल की अपनी दमदार नई पेशकश, 2025 येज़्दी एडवेंचर और 2025 येज़्दी रोडस्टर को अब अमेज़न और फ्लिपकार्ट पर उपलब्ध करा दिया है। अब तक केवल शोरूम में उपलब्ध और पिछले वर्ष की तुलना में रिकॉर्ड फेस्टिव बिक्री दर्ज करने वाली येज़्दी की सबसे लोकप्रिय मोटरसाइकिलें अब भारत के सबसे बड़े ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर सिर्फ एक क्लिक की दूरी पर हैं। फेस्टिव सीज़न में मिली जबरदस्त मांग के बाद, येज़्दी लाइन-अप को ये नई पेशकशें प्रमुख बाजारों में और अधिक सुलभ होंगी।

सैमसंग सॉल्व फॉर टुमॉरो 2025: युवा नवोन्मेषक तकनीक की मदद से पर्यावरणीय स्थिरता को कैसे आकार दे रहे हैं

इंदौर ● दशकों से, पर्यावरणीय स्थिरता को त्याग और समझौते के रूप में देखा जाता रहा है। आईआईटी दिल्ली के सहयोग से सैमसंग के प्रमुख शिक्षा कार्यक्रम, सैमसंग सॉल्व फॉर टुमॉरो (एसएफटी) 2025 के समर्थन और मार्गदर्शन से, युवा इनोवेटर्स ने इस कहानी को बिल्कुल उलट दिया: तकनीक धरती की रक्षा करते हुए समृद्धि को बढ़ावा दे सकती है।

इंदौर में आरटीओ ने जब्त की 7 बसें, परमिट भी किए जाएंगे निरस्त

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर में परिवहन विभाग ने 7 बसें जब्त कर ली हैं। इनमें 3 स्लीपर कोच बसें शामिल हैं। बसों में गंभीर खामियां पाई गई हैं। अब इनके परमिट निरस्त किए जाएंगे।

सोमवार को तीन इमली बस स्टैंड और आसपास के क्षेत्रों में फायर मानकों और आपातकालीन निकास के इंतजाम को लेकर विशेष जांच अभियान चलाया था। एआरटीओ अर्चना मिश्रा ने बताया कि इन बसों में अग्नि सुरक्षा उपकरण, इमरजेंसी एग्जिट और पंजीयन के अनुसार निर्धारित बैठक क्षमता का पालन नहीं किया था। इसके चलते संबंधित स्लीपर कोच बसों के पंजीयन, फिटनेस और परमिट निरस्त करने के लिए मूल पंजीयन प्राधिकारी और संबंधित आरटीओ को पत्र लिखा जा रहा है। एक बस बिना वैध परमिट के संचालन करते हुए पाई गई, जिसे तत्काल जब्त कर लिया गया। जबकि एक बस का परमिट निरस्त किया है। निरीक्षण के दौरान पंजीयन और परमिट के अनुसार निर्धारित बैठक क्षमता में भी विसंगति पाई गई। इस आधार पर संबंधित बसों के पंजीयन और परमिट निरस्त करने की प्रक्रिया शुरू की जा रही है।

प्राणी संग्रहालय में बन रहा 14-डी जंगल सफारी थिएटर

दर्शकों को वन्यजीवों की वास्तविक दुनिया जैसा अनुभव कराया जाएगा, फरवरी में हो सकता है शुरू

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर के प्राणी संग्रहालय में जंगल सफारी थिएटर का काम अब अंतिम दौर में पहुंच गया है। यहां आधुनिक टेक्नोलॉजी के माध्यम से दर्शकों को वन्यजीवों की वास्तविक दुनिया जैसा अनुभव कराया जाएगा। फरवरी में इस 14-डी जंगल सफारी थिएटर को शुरू करने की तैयारी की जा रही है।

प्राणी संग्रहालय में पिछले कई दिनों से 14-डी जंगल सफारी थिएटर का निर्माण कार्य जारी है। यह परियोजना पीपीपी मॉडल पर विकसित की जा रही है, जिसके तहत एक निजी एजेंसी को काम सौंपा गया है। यह मध्यप्रदेश का पहला 14-डी जंगल सफारी प्रोजेक्ट होगा। नगर निगम अधिकारियों के अनुसार यह थिएटर दर्शकों के लिए एक बड़ा आकर्षण साबित होगा। थिएटर में उन्नत विजुअल इफेक्ट्स, मोशन-इनेबल्ड सीटिंग और सराउंड साउंड सिस्टम लगाया जा रहा है। इसके जरिए दर्शक खुद को घने जंगलों से घिरा हुआ महसूस करेंगे। स्क्रीन पर यदि तेज हवा या किसी रोमांचक दृश्य का प्रसारण होगा तो उसका असर दर्शकों को वास्तविक रूप से महसूस होगा।

इस हाई-टेक थिएटर में प्रति शो 40 दर्शकों के बैठने की व्यवस्था होगी। इसके अलावा प्रवेश द्वार को एक गोरिल्ला की विशाल प्रतिकृति के रूप में तैयार किया जा रहा है, जो दर्शकों के लिए आकर्षण का केंद्र रहेगा। अधिकारियों का कहना है कि टेक्नोलॉजी के जरिए जंगल एडवेंचर को नए और रोमांचक अंदाज में प्रस्तुत किया जाएगा। यह 14-डी जंगल सफारी थिएटर न केवल बच्चों बल्कि बड़ों के लिए भी एक अनोखा और यादगार अनुभव साबित होगा।

14 डी क्या होता है?

चिड़ियाघर अधिकारियों के मुताबिक 14-डी का मतलब है कि 14 प्रकार की विभिन्न खासियत हैं, जो 2डी या 3डी फिल्मों से कहीं आगे है और इसमें दर्शक को ऐसा थीम पर लगता है कि वह सीन के हिस्सों में खुद भी शामिल हैं। इस प्रकार के प्रयोग एडवेंचर, वाइल्ड लाइफ और सिमुलेशन बेस्ड शो में लोकप्रिय रहते हैं। थिएटर का काम तेजी से चल रहा है और फरवरी में इसे शुरू करने की तैयारियां भी है।

न्यूज़ ब्रीफ

कांग्रेस भागीरथपुरा की घटना को लेकर आज निकालेगी कैंडल मार्च

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर शहर कांग्रेस कमेटी के कार्यवाहक अध्यक्ष देवेंद्र सिंह यादव ने बताया है कि प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष जीतू पटवारी एवं शहर कांग्रेस के अध्यक्ष चिंटू चौकसे के मार्गदर्शन में भागीरथपुरा की घटित घटना में दूषित पानी पीने से हुए मृत्यु लोगों को श्रद्धांजलि देने हेतु वार्ड क्रमांक 67 का 6 जनवरी को शाम 5:30 बजे जयरामपुर चौराहा जी डी सी कॉलेज के सामने से कैंडल मार्च इंदौर शहर कांग्रेस कमेटी द्वारा निकाला जाएगा जो कलेक्टर चौराहा स्व हेमू कालानी प्रतिमा पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित की जाएगी आयोजित कैंडल मार्च एवं श्रद्धांजलि सभा में प्रदेश के पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा जी भी उपस्थित रहेंगे।

चिकित्सा संस्थान अवकाश के दिनों में भी सामान्य दिनों की तरह ही क्रियाशील रहेंगे

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर में वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित सभी चिकित्सा संस्थानों के संचालन के संबंध में दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। इस संबंध में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. माधव हासानी द्वारा आदेश जारी किए गए है। डॉ. हासानी ने बताया कि समस्त प्रकार के अवकाशों को तत्काल प्रभाव से अन्य आगामी आदेश तक निरस्त करते हुए अवकाश (शनिवार, रविवार एवं अन्य शासकीय) के दिनों में भी स्वास्थ्य विभाग के कार्यालय एवं विभाग द्वारा संचालित समस्त चिकित्सा संस्थान सामान्य दिनों की तरह ही क्रियाशील रहेंगे। समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने निर्धारित समय पर कार्यालय, स्वास्थ्य संस्थाओं एवं फील्ड में उपस्थित रहें।

चिन्हित दवाइयों का विक्रय केवल रजिस्टर्ड मेडिकल प्रेक्टिशनर के लिखित प्रिस्क्रिप्शन पर ही होगा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● आपराधिक गतिविधियों की रोकथाम/जनसामान्य के स्वास्थ्य हित/जानमाल एवं लोक शांति को बनाये रखने हेतु पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह ने इन्दौर नगर (मेट्रोपोलिटन) की सीमा में चिन्हित दवाइयों का विक्रय केवल रजिस्टर्ड मेडिकल प्रेक्टिशनर के लिखित प्रिस्क्रिप्शन पर ही करने के संबंध में प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किये हैं। जारी आदेश के अनुसार समस्त नाईट्राजेपाम टेबलेट्स (समस्त नाईट्रावेट टेबलेट्स), समस्त क्लोनेजेपाम टेबलेट्स, समस्त डायजेपाम टेबलेट्स, समस्त ऑक्साजीपाम टेबलेट्स, समस्त इटिजोलाम टेबलेट्स, समस्त एल्प्राजोलम टेबलेट्स, समस्त कोडीन फास्फेट सिरप/टेबलेट्स, क्लोजापाम टेबलेट्स (फीजीयम टेबलेट आदि) का विक्रय केवल रजिस्टर्ड मेडिकल प्रेक्टिशनर के लिखित प्रिस्क्रिप्शन पर ही किया जायेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जयपुर विमानतल पर मीडिया से की चर्चा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत आईटी सहित सभी क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ रहा है। मध्यप्रदेश भी सभी सेक्टर में विकास कार्यों को गति देते हुए भारत सरकार के साथ कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ रहा है मध्यप्रदेश और राजस्थान भाई-भाई हैं। दोनों राज्य अपनी साझा विरासत का संरक्षण करते हुए साझा विकास के लिए निरंतर प्रगतिशील हैं। तकनीक के इस समय में आईटी का विशेष महत्व है। इसके दृष्टिगत दोनों राज्यों में युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर मिलें, इस उद्देश्य से स्टार्ट-अप, इनोवेटर्स और उद्योगपतियों से संवाद के लिए जयपुर में टी.आई.ई. ग्लोबल समिट आयोजित की जा रही है।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
इंदौर, मंगलवार 06 जनवरी 2026

न्यूज़ ब्रीफ

सूर्य नमस्कार के लिए की जा रही तैयारियों का पदाधिकारियों ने किया अवलोकन

इंदौर ● बालाजी सेवार्थ विनोद अग्रवाल फाउंडेशन एवं संस्था छवि वेलफेयर सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार 10 जनवरी को स्वामी विवेकानंद की जयंती एवं राष्ट्रीय युवा दिवस के उपलक्ष्य में दशहरा मैदान पर आयोजित सूर्य नमस्कार के वृहद आयोजन के लिए की जा रही तैयारियों का सोमवार को सुबह आयोजन से जुड़े पदाधिकारियों ने अवलोकन किया और आयोजन में शामिल होने वाले 5 हजार से अधिक युवाओं के लिए बैठक व्यवस्था, पार्किंग, अंकुरित पौष्टिक आहार के वितरण तथा टीशर्ट वितरण जैसी व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने हेतु विभिन्न समितियों को जिम्मेदारियाँ सौंपी।

वनवासियों को गले लगाकर अन्त्योदय का सूत्रपात करने वाले श्रीराम ही हैं : पं. भार्गव

इंदौर ● राम इस राष्ट्र का चरित्र, शील, संयम, सदाचार, नैतिकता और मर्यादा है तो कृष्ण माधुर्य, दर्शन और मनीषी का प्रतिरूप। जग में सुंदर हैं दो नाम, चाहे कृष्ण कहो या राम। धर्म से आनंद, वैभव, शांति की प्राप्ति होती है। धर्म ही नौका है। धर्म ही हमें स्वर्ग लेकर जाएगा। धर्म एक छवि है, धर्म एक आकार है। धर्म में संवेदनाएं हैं। राम का नाम केवल अपनी जिव्हा पर भी ले आएं या केवल स्मरण भी कर लें तो ही धर्म आचरण हो जाएगा। वनवासियों को गले लगाकर देश में अन्त्योदय की भावना का सूत्रपात प्रभु श्रीराम ने ही अपने वनवास काल में किया है। बर्फानी धाम के पीछे स्थित गणेश नगर में माता केशरबाई रघुवंशी धर्मशाला परिसर के शिव-हनुमान मंदिर की साक्षी में चल रही रामकथा में शनिवार को प्रख्यात मानस मर्मज्ञ पं. मनोज भार्गव ने प्रभु श्रीराम के वन गमन एवं केवट प्रसंग की व्याख्या के दौरान उक्त दिव्य विचार व्यक्त किए।

भेरू घाट के यू टर्न पर फंस गया कंटेनर एक लेन पूरी तो दूसरी आधी बंद

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● खंडवा रोड स्थित भेरू घाट पर हर हफ्ते 3 से 4 बार जाम लगना आम हो चुका है। हालात ये हैं कि जाम लगते ही 5 से 6 घंटे के लिए वाहन फंस जाते हैं। सोमवार दोपहर भी ऐसा ही हुआ। यहां बड़े यू टर्न पर एक कंटेनर फंस गया। इससे एक तरफ की लेन पूरी तरह से तो दूसरी लेन आधी बंद हो गई। स्थिति ऐसी बिगड़ी कि क्रेन को पहुंचने में भी घंटों जद्दोजहद करना पड़ी।

भेरू घाट पर इंदौर से खंडवा तरफ जाने के लिए एक कंटेनर निकला। बड़े टर्न पर नियम अलग होता है। घाट सेक्शन में सामने से आने वाले वाहन लेफ्ट साइड में तो सीधे जाने वाले राइट साइड में चलते हैं। राइट साइट पर यह कंटेनर निकला, लेकिन एस आकार के यू टर्न पर मुड़ नहीं पाया और सीधा सामने वाली लेन में अटक गया। इससे दोनों तरफ की लेन पूरी तरह बंद हो गई। फिर धीरे-धीरे जाम लगना शुरू हुआ और दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतारें तलाई नाका और नीचे शारदा ढाबे तक पहुंच गईं। इसमें बसें, कार, जीपें, ट्रक सहित सैकड़ों वाहन फंसे हरे।

10 साल में 150 लोगों की जान ली घाट ने

भेरू घाट का टर्न अंग्रेजी के लेटर एस जैसा है। इसमें दो यू टर्न आते हैं। इसी टर्न, ऊंचाई, खाई और वाहनों के राइट-लेफ्ट में आने की गफलत में 10 साल में 150 लोगों की जान जा चुकी है। एनएचएआई यहां 6 लेन रोड बना रहा है। टर्न को खत्म करने के लिए टनल व ब्रिज बना रहे हैं। सालभर में वह चालू हो जाएगा तो जाम से निजात मिलेगी।

फोन लगाकर निकलते हैं लोग

बाई ग्राम स्कूल के हेड मास्टर संतोष जायसवाल ने बताया, भेरू घाट से लेकर बलवाड़ा तक हमेशा जाम वाले हालात रहते हैं। अब यहां से गुजरने वाले लोग स्थानीय लोगों और पुलिस को फोन कर जानकारी लेते हैं, उसके बाद ही निकलते हैं। हमें भी कई फोन आते हैं, ताकि लोग परेशानी से बच सकें।

गजासीन शनिधाम में 15वां स्थापना महोत्सव

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● उषा नगर स्थित श्री गजासीन शनिधाम में 15वां स्थापना महोत्सव श्रद्धा, भक्ति और सामाजिक सेवा भाव के साथ 16, 17 एवं 18 जनवरी 2026 को महामंडलेश्वर डॉ. दादू महाराज के सानिध्य में आयोजित होने जा रहा है। तीन दिवसीय इस आयोजन में धार्मिक अनुष्ठानों के साथ संत समागम, कवि सम्मेलन और स्वास्थ्य सेवा के कार्यक्रम होंगे । 16 जनवरी शुक्रवार को कार्यक्रम का शुभारंभ प्रात: 5 बजे से शनि अभिषेक एवं अखंड शनि मूल मंत्र के जाप से प्रारंभ होगा। प्रात: 8 से 11 बजे तक पंच कुण्डीय शनि शांति यज्ञ होगा। संध्या 5 बजे पुष्प बंगला व 56 भोग दर्शन होंगे, वहीं संध्या 7 बजे पालकी यात्रा निकाली जाएगी। रात्रि 8 बजे से कवि सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा ।

17 जनवरी शनिवार को पुन: प्रात: 8 से 11 बजे शनि शांति यज्ञ होगा। सुबह 9 से 12 बजे तक आयुष निर्माता संघ द्वारा नि:शुल्क आयुर्वेदिक चिकित्सा एवं दवा वितरण शिविर लगाया जाएगा। दोपहर 12 बजे पूर्णाहुति, आरती, संत समागम एवं प्रसादी का आयोजन होगा। इस अवसर पर 251 ध्वजाओं का पूजन कर भक्तों को घर एवं कार्यस्थल हेतु वितरित की जाएगी । साथ ही 1008 शनि लक्ष्मी प्रदायक यंत्र सिद्ध कर नि:शुल्क वितरित किए जाएंगे तथा तुलसी पौधों का वितरण भी होगा। संध्या 7 बजे से देर रात्रि तक प.पू. डॉ. दादू महाराज का जन्मोत्सव श्रद्धा, शालीनता के साथ मनाया जाएगा।

18 जनवरी को शनि चालीसा का सामूहिक पाठ और खप्पर आरती की जाएगी जिसके पश्चात तीन दिवसीय आयोजन का समापन होगा। इसके पूर्व 10 जनवरी शनिवार को श्री गजासीन शनिधाम, उषा नगर मंदिर परिसर में सोनगरा स्पाइन एंड रिहैबिलिटेशन सेंटर, देवास द्वारा हड्डी रोगियों हेतु नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन संध्या 6 बजे से किया जाएगा।

सावित्रीबाई फुले स्मारिका का विमोचन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● सत्य शोधक समाज अंतराष्ट्रीय प्रदेश अध्यक्ष सदाशिव यादव काका ने उपरोक्त जानकारी में बताया कि विश्व की प्रथम महिला शिक्षिका राष्ट्रमाता सावित्रीबाई फुले की 195,जयंती समारोह का उद्घाटन श्री श्री 1008,परम पूज्य लादूनाथ के शिष्य संत रामकिशन महाराज ने दीप प्रज्वलित कर किया, इस अवसर पर सत्य शोधक समाज अंतराष्ट्रीय ने अपना महात्मा ज्योतिबा फुले, माता सावित्रीबाई फुले, पेरियार ललई सिंह यादव, के जीवन परिचय पुस्तिका का 7, वा, संस्करण का विमोचन के मुख्य अतिथि विधायक महेंद्र हार्डिया, विशेष अतिथि पुर्व केबिनेट राज्य मंत्री तंरुण शाक्य उत्तर प्रदेश, कांग्रेस नेता ओम सिलावट, अध्यक्षता सत्य शोधक समाज अंतराष्ट्रीय राष्ट्रीय प्रभारी हुकमचंद जादम सैनी, संचालन नितेश राजोरिया, स्वागत रामचंद्र सैनी किया।

श्रीमती अरुणा मिश्रा शिक्षिका ने अपनी सेवानिवृत्ति पर 11000 की मंगल निधि का समर्पण किया

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● जीवन में कुछ लोग विरले ही होते हैं जो परोपकार एवं समाज सेवा को ही अपना कर्तव्य समझते हैं। ऐसे ही शासकीय प्राथमिक विद्यालय सुदामा नगर की आदर्श सेवा भावी शिक्षिका एवं शिक्षक पेड़ी इंदौर की संचालक श्रीमती अरुणा मिश्रा ने अपनी सेवानिवृत्ति पर सेवा भारती के कार्यों से प्रभावित होकर 11000 की राशि प्रदान की। इस अनुकरणीय कार्य के लिए शिक्षक पेड़ी के समस्त पदाधिकारी द्वारा श्रीमती अरुणा मिश्रा का शाल, श्रीफल एवं केसरिया दुपट्टा डालकर अभिनंदन किया गया। श्रीमती मिश्रा द्वारा समाज क्षेत्र में किए गए कार्यों की प्रशंसा की गई। इस अवसर पर संस्था अध्यक्ष महेंद्र शर्मा, उपाध्यक्ष रमेश चंद निनामा, संचालक राजेंद्र कुमार मकवानी, सोहनलाल परमार, राजेंद्र कुमार आचार्य, भगवती प्रसाद पंडित, आलोक परमार, घनश्याम करोले, प्रबंधक चेतन रावत आदि उपस्थित थे। अंत में आभार संचालक एवं सेवा भारती के सोहनलाल परमार ने माना।

श्री विमल सामाजिक समिति द्वारा फुटपाथ पर रहने वाले जरूरतमंदों को कंबल वितरण

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● 4 जनवरी को श्री विमल सामाजिक समिति द्वारा रीगल चौराहा, इंदौर पर फुटपाथ पर जीवन यापन कर रहे गरीब एवं जरूरतमंद लोगों को 40 कंबलों का वितरण किया गया। इस सेवा कार्य का उद्देश्य ठंड के मौसम में जरूरतमंदों को राहत प्रदान करना रहा। इस अवसर पर संस्था को यह कंबल इंदौर के उद्योगपति श्री विनोद अग्रवाल जी के सहयोग से प्राप्त हुए। संस्था पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने उनके इस मानवीय सहयोग के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया।

संस्था की अध्यक्ष योगिता सक्सेना ने इस अवसर पर कहा, 'ठंड के मौसम में फुटपाथ पर रहने वाले लोगों के लिए एक कंबल केवल वस्त्र नहीं, बल्कि सुरक्षा और संवेदना का सहारा होता है। हमारी संस्था का प्रयास है कि समाज का कोई भी व्यक्ति ठंड और अभाव के कारण पीड़ा न सहे। इस पुनीत कार्य में सहयोग देने वाले सभी दानदाताओं का हम हृदय से धन्यवाद करते हैं।' संस्था ने समाज के सक्षम नागरिकों से आगे आकर ऐसे सामाजिक कार्यों में सहयोग करने की अपील भी की।

ब्राह्मण सेवा संगठन की ओर से एमवाय को 26वीं बार 61 हजार रुपए मूल्य की दवाएं भेंट

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● ब्राह्मण सेवा संगठन के सर्वसमाज सेवा प्रकल्प निरामय सेवा संजीवन द्वारा पीड़ित मानवता की सेवा के अपने संकल्प के अनुरूप 26वीं बार एमवाय हॉस्पिटल में आर्थिक रूप से कमजोर और जरूरतमंद रोगियों को 'सहायता सीनियर सिटीजन ग्रुप' के माध्यम से 61 हजार रुपए मूल्य की दवाइयां भेंट की।

संगठन के अध्यक्ष पं. सत्येन्द्र शर्मा एवं मीडिया प्रभारी नीलाभ सुगंधी ने बताया कि संगठन के संरक्षक पं. अनुपम तिवारी, पं. राजेंद्र-ममता शर्मा सहित कर्मेशु मातृशक्ति मासिक मैत्री मिलन ग्रुप का सहयोग भी रहा। प्रारम्भ में 'सहायता' के अशोक चौरड़िया एवं होलकर का संगठन की ओर स्वागत किया गया। अशोक चौरड़िया ने संगठन द्वारा संचालित विभिन्न सेवा कार्यों की खुलेमन से प्रशंसा की। इस अवसर पर पं. राजेंद्र शर्मा, पं. सरोज कौशिक, पं. जीतेन्द्र व्यास, पं. मुकेश शर्मा मामा, पं. गजेन्द्र शर्मा, पं. हरीश जोशी, पं. बृजेश पंचोली, पं. कमल शर्मा तथा मातृशक्ति की ओर से ममता शर्मा, दीपिका शर्मा, सीमा ओझा, आरती मिश्रा, पूजा शर्मा, अंशु दीक्षित, रीता शास्त्री सहित बड़ी संख्या में विप्र बंधु उपस्थित थे। अंत में बृजेश पंचोली ने आभार माना।

नववर्ष में डॉ. निशा जोशी के 'मिशन कौन्तेय - 8' फ्री योग टीचर ट्रेनिंग कोर्स का शुभारंभ

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● डॉ. निशा जोशी द्वारा वर्षों से निरंतर संचालित किए जा रहे नि:शुल्क योग प्रकल्पों की सशक्त श्रृंखला में नववर्ष के अवसर पर 'मिशन कौन्तेय - 8' फ्री योग टीचर ट्रेनिंग का औपचारिक शुभारंभ किया गया। यह सफलतापूर्वक संचालित मिशन कौन्तेय का आठवाँ चरण है, जो योग के माध्यम से समाज-सेवा, व्यक्तित्व निर्माण एवं राष्ट्र-निर्माण के उद्देश्य को आगे बढ़ा रहा है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम निशा जोशी योग अकादमी इंदौर के तत्वावधान में संचालित किया जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय योग गुरु एवं श्रीमद्भगवद्गीता की सुप्रसिद्ध उपदेशिका डॉ. निशा जोशी निरंतर नि:शुल्क योग, ध्यान एवं गीता-आधारित जीवन-प्रबंधन से जुड़े प्रकल्पों के माध्यम से समाज के हर वर्ग तक योग और भारतीय जीवन-मूल्यों को पहुँचाने का कार्य कर रही हैं। उसी सेवा-क्रम में 'मिशन कौन्तेय' एक प्रमुख, प्रभावशाली और जनविश्वास से जुड़ा अभियान बनकर निरंतर आगे बढ़ रहा है।

इस वर्ष आयोजित यह बैच अपनी व्यापक सहभागिता के कारण विशेष रूप से उल्लेखनीय है। चयन प्रक्रिया के अंतर्गत देश-प्रदेश एवं विदेश से आयोजित इंटरव्यू में 500 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण को ऑफलाइन एवं ऑनलाइन दोनों मोड में संचालित किया जा रहा है। ऑफलाइन मोड में इंदौर में 38 विद्यार्थी प्रत्यक्ष रूप से उपस्थित रहकर प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं, वहीं ऑनलाइन मोड में 150 विद्यार्थी विभिन्न देशों से जुड़े हुए हैं, जिनमें अमेरिका, वियतनाम, दुबई, नेपाल, जर्मनी सहित अनेक अन्य देशों के छात्र-छात्राएँ सम्मिलित हैं। इसके अतिरिक्त भोपाल, बिहार सहित देश के विभिन्न क्षेत्रों से कई विद्यार्थी विशेष रूप से इंदौर आकर इस कोर्स को कर रहे हैं, जो मिशन कौन्तेय की राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्वीकार्यता को दर्शाता है।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रापर्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता
5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर,
गुरुद्वारे के सामने, इंदौर
संपर्क: 94250-64357, 94245-83000

सम्पादकीय

इराक से पनामा और अब वेनेजुएला: क्या अमेरिका फिर बन रहा है 'दुनिया का थानेदार'?

अमेरिका ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो पर मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल होने का लगातार आरोप लगाने के बाद शुक्रवार देर रात राजधानी काराकस पर हमला कर दिया था। इस दौरान मादुरो और उनकी पत्नी को हिरासत में लेकर न्यूयार्क ले जाया गया। वेनेजुएला पर अमेरिका की कार्रवाई के मुद्दे पर भी भारत ने बातचीत से मसले को सुलझाने और क्षेत्र में शांति एवं स्थिरता कायम रखने पर जोर दिया है। साथ ही तेल समृद्ध वेनेजुएला में तेजी से बदल रही स्थिति पर करीबी नजर भी रखी जा रही है, ताकि आने वाले समय में राष्ट्रहित की रक्षा के लिए उचित कदम उठाए जा सकें। भारत सहित कई देशों ने इस घटनाक्रम पर गहरी चिंता जताई है और वेनेजुएला की संप्रभुता एवं वहां के लोगों की सुरक्षा की वकालत की है। इस बीच, यह सवाल भी उठ रहा है कि किसी राष्ट्र पर हमला कर वहां के प्रमुख और उनकी पत्नी को हिरासत में लेकर देश से बाहर ले जाने की अमेरिका की कार्रवाई क्या अंतरराष्ट्रीय नियम-कानूनों का उल्लंघन नहीं है? गौरतलब है कि अमेरिका ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो पर मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल होने का लगातार आरोप लगाने के बाद शुक्रवार देर रात राजधानी काराकस पर हमला कर दिया था। इस दौरान मादुरो और उनकी पत्नी को हिरासत में लेकर न्यूयार्क ले जाया गया। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का कहना है कि मादुरो के खिलाफ न्यूयार्क में मुकदमा चलाया जाएगा। यह कोई पहली बार नहीं है कि अमेरिका ने किसी देश में सत्ता परिवर्तन का प्रयास किया है। वर्ष 1965 में अमेरिका ने डोमिनिकन गणराज्य में बड़ी संख्या में अपने सैनिक भेजे, ताकि 1963 में तख्तापलट के तहत हटाए गए पूर्व राष्ट्रपति जुआन बोश की वापसी को रोका जा सके। वर्ष 1989 में अमेरिकी सैनिकों ने पनामा पर धावा बोला, जिसका मकसद तत्कालीन जनरल मैनुअल नोरिएगा को हटाना था, जिन पर मादुरो की तरह ही मादक पदार्थों की तस्करी के आरोप थे। वर्ष 2003 में अमेरिका के नेतृत्व में इराक पर हमला कर सद्दाम हुसैन के लंबे शासन का अंत कर दिया गया। इसी तरह वर्ष 2004 में हैती के तत्कालीन राष्ट्रपति को सत्ता से हटाकर अफ्रीका भेज दिया गया।

रेबीज से होने वाली मौतों को रोकने के लिए कड़ी कार्रवाई की जरुरत

कुत्तो के कटाने और रेबीज़ होने की घटनाओं के समाचार तो रोज आते रहते है परन्तु उत्तर प्रदेश में जनपद बदायूं के उझानी थाना क्षेत्र के पिपरौल गांव से एक अज़ब घटना सामने आई है । वहां एक भैंस की मौत के बाद गांव में डर का माहौल बन गया। हालात ऐसे हो गए कि एक घर में तेरहवीं की दावत में रायता खाने वाले करीब 200 ग्रामीणों ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र उझानी पहुंचकर एहतियातन रैबीज का टीका लगवाया। ग्रामीणों के मुताबिक, 23 दिसंबर 2025 को गांव में तेरहवीं संस्कार था, जिसमें पूरे गांव की दावत रखी गई थी। दावत में रायता भी परोसा गया, जिसे बड़ी संख्या में लोगों ने खाया। बाद में जानकारी सामने आई कि जिस भैंस के दूध से रायता तैयार किया गया था, उसे कुछ दिन पहले एक कुत्ते ने काट लिया था। 26 दिसंबर को उस भैंस की मौत भी हो गई। इसके बाद गांव में संक्रमण की आशंका को लेकर अफरा तफरी मच गई। डर के माहौल में शनिवार को पुरुषों के साथ-साथ महिलाएं और युवा भी बड़ी संख्या में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे और वैक्सीनेशन कराया।कुछ समय पूर्व सरकारी खबरों के अनुसार अनुसार भारत में, रेबीज से होने वाली मौतों को 2030 तक कम करके शून्य करने का लक्ष्य है। लक्ष अच्छा था क्योकि यह उस समाचार के बाद था जिसके कारण हर साल लगभग 5,700 मौतें रेबीज के कारण हो रही थी । हालांकि, रेबीज से होने वाली मौतों में 75% की कमी भी दर्शाई गई थी । रेबीज के बारे में जाने तो यह एक जानलेवा बीमारी है जो संक्रमित जानवरों की लार से फैलती है, खासकर कुत्तों के काटने से। एक बार जब रेबीज के लक्षण दिखने लगते हैं, तो यह लगभग हमेशा घातक होती है। एक आंकड़े से पता चलता है कि रेबीज से दुनिया भर में हर साल करीब 60 हजार मौतें होती है, जिसमें से 95 प्रतिशत से अधिक मौतें अफ्रीका और एशिया में होती हैं। रेबीज एक वायरल बीमारी है जो जानवरों से मनुष्यों में फैलती है। खासकर कुत्तों के काटने से यह बीमारी होती है। रेबीज दुनिया भर में संक्रामक रोगों से होने वाली मौत का 10वां सबसे बड़ा कारण है। भारत में हर साल रेबीज से होने वाली मौतों में से ज्यादातर मामले कुत्ते के काटने के कारण होते हैं।

उत्तर प्रदेश ये घटना अलग-थलग और दुर्लभ हैं । हालांकि, अब वे पूरे भारत में परेशान करने वाले हो गए हैं। वे एक मूक संकट पर कठोर प्रकाश डालते हैं जो वर्षों से तेज हो रहा है। आवारा कुत्तों की आबादी में विस्फोट के परिणामस्वरूप सार्वजनिक सुरक्षा और स्वास्थ्य के लिए विनाशकारी परिणाम हुए हैं। फिर भी, केंद्र सरकार, राज्य सरकारें और स्थानीय प्राधिकरण आवारा कुत्तों की समस्या को समाप्त करने में विफल रहे हैं जो जल्दी से जनता के लिए खतरा बन रहा है।स्ट्रीट डॉग लंबे समय से भारतीय शहरों और गांवों में मनुष्यों के साथ सह-अस्तित्व में हैं। हालांकि, आज उनकी संख्या अभूतपूर्व और खतरनाक है। औपनिवेशिक युग के दौरान और आजादी के बाद भी कई दशकों तक, कुत्तों की आबादी नियंत्रण की मानक विधि में शामिल था, या शाब्दिक संसदीय भाषा में,

'कुत्तों को नष्ट करना '। ऑपइंडिया द्वारा लोकसभा और राज्यसभा से प्राप्त दस्तावेजों के अनुसार, हर साल स्थानीय अधिकारियों द्वारा उनकी संख्या को नियंत्रित करने के प्रयास में हजारों कुत्तों को मार दिया जाता है। हालांकि, इस तरह के कठोर उपायों के बावजूद, जनसंख्या बढ़ती रही। इसने भारतीय संदर्भ में किल-आधारित रणनीतियों की विफलता की ओर इशारा किया। हालांकि, संख्या कुछ हद तक नियंत्रण में रही, और अगर विधि को नसबंदी अभियानों के साथ मिलाया गया होता, तो यह सड़क के कुत्तों की आबादी को काफी हद तक नियंत्रित करता। काश, यह वैसा नहीं होता जैसा इसे होना चाहिए था।

2012 की पशुधन गणना में कहा गया था कि भारत में लगभग 1। 71 करोड़ आवारा कुत्ते थे। 2019 में, रिपोर्ट की गई संख्या 1। 53 करोड़ थी। जबकि आंकड़े आवारा लोगों की संख्या में कमी दिखाते हैं, विशेषज्ञों ने इन आंकड़ों की सटीकता पर सवाल उठाए। उन्होंने अंडर-रिपोर्टिंग और असंगत सर्वेक्षण विधियों का हवाला दिया। की स्थिति पेट होमलेसनेस इंडेक्स ऑफ इंडिया का अनुमान है कि 2024 में सुझाव दिया गया है कि भारत में 6 करोड़ से अधिक आवारा कुत्ते हो सकते हैं, जो शायद दुनिया में सबसे ज्यादा है। यह वृद्धि केवल शहरों तक ही सीमित नहीं है। ग्रामीण क्षेत्रों में मुक्त-घूमने वाले कुत्तों में नाटकीय वृद्धि देखी गई है। दशकों पहले, आवारा कुत्तों का मुद्दा अभी भी प्रबंधनीय था, लेकिन अब यह भारी अनुपात का संकट बन गया है। इस उछाल के पीछे शहरीकरण, कचरा न जुटाना, खराब योजना, अप्रभावी जनसंख्या नियंत्रण प्रणाली और तथाकथित कुत्ते प्रेमियों की बढ़ती संख्या है, जिन्होंने इसे अपने जीवन का आदर्श वाक्य बना लिया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि अधिकारी खतरनाक कुत्तों को अन्य स्थानों पर भी नहीं ले जा सकें।आवारा कुत्तों की आबादी में अनियंत्रित वृद्धि के मुख्य कारणों में से एक पशु नियंत्रण के आसपास नीतिगत पक्षाघात है। सुप्रीम कोर्ट समर्थित पशु जन्म नियंत्रण (एबीसी) नियम पहली बार 2001 में पेश किए गए थे। नए नियमों के अनुसार, आवारा कुत्तों का प्रबंधन करने का एकमात्र स्वीकार्य तरीका नसबंदी और टीकाकरण था, जिसके बाद उसी स्थान पर छोड़ दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने कुत्ते समर्थक 'पशु कल्याण' समूहों के इशारे पर एक निर्णय पारित किया, जिससे अधिकारियों और जनता के लिए कुत्तों से छुटकारा पाना असंभव हो गया, यहां तक कि उन्हें सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित करके जहां पशु-मानव संपर्क को कम किया जा सकता था। जबकि नियम सिद्धांत रूप में 'मानवीय' दिखाई देते हैं, उन्हें व्यवहार में लागू करना बेहद कठिन है, विशेष रूप से आवारा कुत्तों की आबादी में सेंध लगाने के लिए आवश्यक पैमाने पर। संख्या को प्रभावी ढंग से कम करने के लिए, किसी दिए गए क्षेत्र में आवारा कुत्तों की आबादी का कम से कम 70% निष्फल होना चाहिए। हालांकि, अधिकांश भारतीय शहरों में, कवरेज कथित तौर पर सबसे खराब है।नगर निकाय सीमित धन, अपर्याप्त बुनियादी ढांचे, प्रशिक्षित कर्मियों की कमी और समग्र अक्षमता और सकल लापरवाही के शीर्ष पर पशु कल्याण समूहों से प्रतिक्रिया के साथ संघर्ष करते हैं। परिणाम एक धीमा और अप्रभावी नसबंदी प्रयास है, जो आवारा जानवरों की प्रजनन दर से मेल खाने में असमर्थ है। इसके अलावा, कई भारतीय समुदायों में, आवारा कुत्तों को खिलाना दयालुता का कार्य माना जाता है और कुछ मामलों में, यहां तक कि धार्मिक योग्यता भी है। लोग नियमित रूप से आवारा कुत्तों को बचा हुआ भोजन देते हैं। यदि यह पर्याप्त नहीं है, तो देश भर में हजारों व्यक्ति और संगठन हैं जो विशेष रूप से आवारा कुत्तों के लिए भोजन पकाते हैं और स्थानीय लोगों की दलील पर विचार किए बिना उन्हें जहां भी और जब चाहें खिलाते हैं, उन्हें खिलाते हैं।दयालु होने पर, इस तरह की प्रथाएं अनजाने में भोजन तक आसान पहुंच प्रदान करके बड़ी कुत्ते की आबादी का समर्थन करती हैं, खासकर पड़ोस में जहां अपशिष्ट निपटान पहले से ही खराब है। सड़कों पर कचरे के ढेर, ओवरफ्लो करने वाले डिब्बे और बचे हुए भोजन पूरे पैक के लिए नियमित रूप से भोजन के मैदान बन जाते हैं। कुप्रबंधन और भ्रष्टाचार आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या का एक और कारण है। ऐसी रिपोर्टें आई हैं कि कई राज्यों में नगर पालिकाएं एबीसी कार्यक्रमों को एनजीओ या निजी ठेकेदारों को आउटसोर्स करती हैं। हालांकि, बहुत कम या कोई निगरानी नहीं है। ऐसे कई मामले सामने आए हैं जहां एनजीओ ने हजारों कुत्तों की नसबंदी करने का दावा किया है, लेकिन वास्तविक संख्या बहुत कम थी।भोपाल में, ऑडिट में बढ़े हुए आंकड़े, भूतिया सर्जरी और घटिया सुविधाओं का पता चला। उचित निगरानी के बिना, जनसंख्या नियंत्रण के लिए सार्वजनिक धन बर्बाद हो जाता है, और कुत्ते हर साल बढ़ते रहते हैं। कुछ राज्य विशेष रूप से गंभीर स्थिति का सामना कर रहे हैं। उदाहरण के लिए, केरल ने अकेले 2024 में कुत्ते के काटने के 3। 16 लाख मामले दर्ज किए। पंजाब के लुधियाना में सरकारी अस्पतालों में एक दिन में 40 से अधिक मामले दर्ज किए गए। आवारा कुत्ते सभी आयु वर्ग के लोगों पर हमला करते हैं। बच्चों से लेकर बुजुर्ग पैदल यात्रियों, सफाई कर्मचारियों और डिलीवरी एजेंटों तक, कोई भी अब भारतीय सड़कों पर सुरक्षित नहीं है, यहां तक कि गेटेड सोसाइटी में भी नहीं। आवारा कुत्ते तेजी से क्षेत्रीय, आक्रामक होते हैं, और अक्सर बड़े पैक में चलते हैं। यह हमलों को अधिक लगातार और खतरनाक बनाता है। कुत्ते के हमलों के डर से बुजुर्ग लोग घर के अंदर ही सीमित रहते हैं। बच्चों को पार्कों में जाने या उनके घरों के सामने खेलने से प्रतिबंधित किया जाता है। यहां तक कि कुछ क्षेत्रों में युवाओं को भी हाथों में लाठी लेकर चलना पड़ता है। संक्षेप में, बढ़ती आवारा कुत्तों की आबादी ने इस मुद्दे को एक पूर्ण विकसित राष्ट्रीय संकट में बदल दिया है, और कोई भी इसके बारे में बात करने के लिए तैयार नहीं है, सभी पशु कल्याण बोर्डों, पशु प्रेमियों और न्यायपालिका के लिए धन्यवाद। इस संकट को हल करने के लिए पशु 'कार्यकर्ताओं', पशु कल्याण बोर्ड, कुत्ते प्रेमियों या न्यायपालिका के हस्तक्षेप के बिना एक समन्वित, बहु-एजेंसी प्रयास की आवश्यकता है। भारत को एक मिशन-मोड अभियान की आवश्यकता है, जिसे केंद्र सरकार द्वारा समर्थित किया जाना चाहिए, जिसमें स्वास्थ्य, पशुपालन, शहरी विकास और नगरपालिका निकाय मंत्रालय शामिल हों। सरकार और स्थानीय अधिकारियों को नसबंदी के बुनियादी ढांचे को तेजी से बढ़ाना चाहिए। आवारा कुत्तों के लिए समर्पित फंड, रीयल-टाइम मॉनिटरिंग ऐप, मोबाइल एबीसी वैन और डिजिटल डॉग-टैगिंग सिस्टम लागू किए जाने चाहिए।केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने 'वन हेल्थ' ढांचे के तहत पशुपालन अधिकारियों के साथ समन्वय करना शुरू कर दिया है, यह मानते हुए कि कुत्तों में इसे नियंत्रित किए बिना मानव रेबीज नियंत्रण असंभव है। हालांकि, परिणाम प्राप्त करने में समय लगेगा क्योंकि सभी हितधारकों को साथ लाना आसान काम नहीं है। पर पालतू नसबंदी अनिवार्य और प्रजनन को विनियमित करने से नए आवारा जानवरों की आमद में कटौती हो सकती है। अंत में, जन जागरूकता बढ़नी चाहिए। नागरिकों को रेबीज की रोकथाम, जिम्मेदार भोजन और अपने क्षेत्रों में आवारा जानवरों की नसबंदी करने के लिए अधिकारियों के साथ जुड़ने के बारे में शिक्षित करने की आवश्यकता है। यदि भारत इस मानव-पशु संघर्ष को सख्त लेकिन मानवीय तरीके से संबोधित करना चाहता है तो करुणा और सावधानी को साथ-साथ चलना होगा। **-अशोक भाटिया,** वरिष्ठ स्वतंत्र पत्रकार ,लेखक, समीक्षक एवं टिप्पणीकार

आंचलिक

बुरहानपुर में 73 प्रजाति के 710 पक्षी मिले, प्रदेश में पहली बार हुआ बर्ड सर्वे

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर ● जिले में एशियन वाटर बर्ड सेंसस 2026 के तहत पहली बार बर्ड सर्वे कराया गया। वन विभाग के सहयोग से हुए इस सर्वे में 10 तालाबों से पक्षियों की वास्तविक जानकारी जुटाई गई। सर्वे के दौरान भगवंत सागर डैम में अकेले 73 प्रजाति के कुल 710 पक्षी देखे गए। पूरे बुरहानपुर वन मंडल में 10 तालाबों के सर्वे में कुल 1960 पक्षी दर्ज किए गए। खास बात यह है कि मप्र में पहली बार इस तरह का सर्वे कराया गया है।

इन तालाबों के किनारे मिले दुर्लभ पक्षी

यह सर्वे ई-बर्ड ऐप के माध्यम से किया गया। सर्वे में भगवंत सागर डैम, भूतिया देव तालाब, ताप्ती नदी, चिड़ियापानी तालाब, भावसा डैम, धामनगांव तालाब, शंकरपुरा तालाब, रंगई तालाब, सांवली जलाशय और मोतियादेव तालाब शामिल थे। भगवंत सागर जलाशय में सबसे अधिक पक्षी प्रजातियां पाई गईं।

विलुप्त प्रजातियों के संरक्षण के लिए है सर्वे

इस सर्वे का मुख्य उद्देश्य मध्य प्रदेश में विलुप्त हो रही पक्षी प्रजातियों की पहचान करना है, ताकि वन विभाग इनके संरक्षण के लिए आगे कदम उठा सके। नेपानगर एसडीओ विक्रम सुलिया ने बताया कि एशियन वॉटर बर्ड सेंसस 2026 के तहत यह सर्वे ई-बर्ड ऐप से हुआ। यह सर्वे 3 और 4 जनवरी को होना था, लेकिन जिले में एक ही दिन में पूरा कर लिया गया। डीएफओ विद्याभूषण सिंह ने जानकारी दी कि वन विभाग ने पर्यावरण प्रेमियों और आमजन के सहयोग से यह सर्वे कराया। वन मुख्यालय भोपाल से मिले निर्देशों के बाद यह कार्य किया गया।

जमीन विवाद पर हाईटेंशन टावर पर चढ़ा युवक, पूर्व विधायक पर कब्जे का आरोप

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● जमीन विवाद ने उस वक्त हंगामे का रूप ले लिया, जब एक युवक हाईटेंशन लाइन के टावर पर चढ़ गया। युवक का आरोप है कि उसकी जमीन पर खंडवा के पूर्व विधायक देवेंद्र वर्मा द्वारा जबरन कब्जा किया जा रहा है। वर्मा अपने साथ राजस्व व पुलिस अमले को लेकर गए थे। मामला खंडवा सटे हुए जूनापानी क्षेत्र का है, जहां जमीन विवाद को लेकर रोहित उर्फ पिंटू पाल नामक युवक हाईटेंशन लाइन के टावर पर चढ़ गया। पिंटू पाल का दावा है कि उसकी करीब ढाई एकड़ जमीन पर खंडवा के पूर्व विधायक देवेन्द्र वर्मा कब्जा करने पहुंचे थे। वहीं पूर्व विधायक देवेन्द्र वर्मा का कहना है कि यह जमीन उन्होंने विधिवत रूप से खरीदी है और उसी के आधार पर वे कब्जा लेने पहुंचे थे।

मौके पर राजस्व विभाग और पुलिस अमला भी मौजूद रहा। जावर थाने से पुलिस फोर्स पहुंचा था। वहीं राजस्व विभाग से नायब तहसीलदार परबीन अंसारी, महादेव राठौर, पटवारी बलवंत चौहान आदि पहुंचे थे। पुलिस ने युवक को टावर से नीचे उतरने के लिए लगातार समझाइश दी। काफी देर तक वह हाईटेंशन लाइन के टावर पर चढ़कर हंगामा करने लगा। कई देर तक मशक्कत के बाद पुलिस और प्रशासन ने स्थिति संभाली।

विधायक रहते हुए वर्मा ने कब्जे वाली जमीन खरीदी थी

किसान रोहित पाल के परिवार के एक अन्य सदस्य की जमीन को विधायक रहते हुए देवेंद्र वर्मा ने खरीदी

थी। यह रकबा करीब 8 एकड़ का था। पूर्व विधायक वर्मा ने उस दौरान जमीन का सीमांकन नहीं कराया और 2019 में रजिस्ट्री, नामांतरण करवा लिया। 3 साल बाद 2022 में सीमांकन कराया तो रोहित के हिस्से वाली जमीन में दो एकड़ जमीन निकल आई। किसान रोहित का कहना था कि उक्त जमीन पर 100 साल से उनका कब्जा है।

उस दर्मियान विधायक रहते हुए देवेंद्र वर्मा ने राजस्व अमले के साथ कब्जा लेने की कोशिश की थी। लेकिन किसान रोहित पाल तब भी हाईटेंशन लाइन के टावर पर चढ़ गया था। अब इस जमीन पर कब्जा लेने के लिए पूर्व विधायक देवेंद्र वर्मा ने कोर्ट का रुख किया। हाल ही में तहसीलदार कोर्ट ने विधायक के पक्ष में फैसला दिया। आज शनिवार को जब जमीन का कब्जा लेने पहुंचे तो वहां फिर से विवाद खड़ा हो गया।

गुरु गोविंद सिंह कॉलोनी में पाइपलाइन में लीकेज, 100 से ज्यादा घरों का सर्वे

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर ● गुरु गोविंद सिंह कॉलोनी में सोमवार को पाइपलाइन लीकेज और गंदे पानी की शिकायतें सामने आईं। इंदौर के भागीरथपुरा की घटना के बाद लोगों में चिंता बढ़ गई थी। सूचना मिलने पर नगर निगम और स्वास्थ्य विभाग, जल विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं।

कॉलोनी में दो स्थानों पर पाइपलाइन में लीकेज पाया गया, जिसे नगर निगम की टीम ने तुरंत ठीक किया। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने 100 से अधिक घरों का सर्वेक्षण किया और पानी के नमूने लिए। शुरुआत में टाइफाइड के मरीजों की जानकारी सामने आ रही थी, लेकिन स्वास्थ्य विभाग की जांच में फिलहाल कोई मरीज नहीं मिला। नगर निगम आयुक्त संदीप श्रीवास्तव ने बताया कि सुरक्षा की दृष्टि से नमूने लिए गए हैं, और अभी किसी घर में कोई मरीज नहीं पाया गया है।

दो दिनों में 50 लीकेज सुधारे- आयुक्त श्रीवास्तव ने यह भी बताया कि पिछले दो दिनों में नगर निगम की टीम ने शहर भर में 50 लीकेज दुरुस्त किए हैं। जहां से भी पानी की समस्या की सूचना मिल रही है, वहां टीम पहुंचकर काम कर रही है। पानी से संबंधित शिकायतों के लिए एक टोल-फ्री नंबर 07325- 255019 भी जारी किया गया है। सोमवार नगर निगम की टीम ने गुरु गोविंद सिंह कॉलोनी में लीकेज ठीक किए। आयुक्त ने बताया कि दो दिन पहले शाम दो लीकेज की जानकारी मिली थी और कुछ घरों में लोगों के बीमार होने की बात भी सामने आई थी। हालांकि, सैंपलिंग के बाद ऐसी कोई जानकारी पुष्ट नहीं हुई। एक ड्रेनेज पाइप के ओवरफ्लो की समस्या भी ठीक की गई। उन्होंने स्पष्ट किया कि एक महीने पहले एक घर में डायरिया का एक मरीज था जो अब स्वस्थ है, और एक बच्चा भी पहले पीड़ित था जो अब ठीक है। नगर निगम पूरी तरह अलर्ट पर है और एक चेंबर की सफाई भी कराई जा रही है।

एसओपी के तहत कर रहे काम-नगर निगम आयुक्त ने कहा नगरीय प्रशासन विभाग की ओर से जारी एसओपी के तहत काम कराया जा रहा है। दो दिन में 50 स्थानों को खोज कर रूल आउट कर लीकेज रिपेयर किए गए हैं। किसी भी स्त्रोत से खबर आने पर तत्काल वहां पहुंच रहे हैं।

नेपानगर में तीन सिंचाई परियोजनाओं को मंजूरी

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर ● नेपानगर विधानसभा क्षेत्र में तीन प्रमुख सिंचाई परियोजनाओं को प्रारंभिक स्वीकृति मिल गई है। इन परियोजनाओं की कुल लागत लगभग 51 करोड़ 58 लाख 04 हजार रुपए है। इनके पूरा होने से कुल 2033 हेक्टेयर भूमि सिंचित होगी, जिससे हजारों किसानों को लाभ मिलेगा। विधायक मंजू दादू ने इन परियोजनाओं की प्रथम साध्यता जारी होने पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट का आभार व्यक्त किया। इन परियोजनाओं के तहत नेपानगर विधानसभा क्षेत्र में एक तालाब और दो बैराज का निर्माण किया जाएगा। इनमें फूल धावड़ी डेम अम्बा तालाब (38.58 करोड़ रुपए), कालमाटी बैराज (9.40 करोड़ रुपए) और रेतघाट महल गुराडा बैराज (3.60 करोड़ रुपए) शामिल हैं।

40 गांवों को विशेष लाभ मिलेगा

इन सिंचाई सुविधाओं से धूलकोट क्षेत्र के लगभग 35 से 40 गांवों को विशेष लाभ मिलेगा, जहां पहले जलस्तर गिरने और पानी की कमी के कारण लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ता था। परियोजनाओं से किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी मिलेगा, जिससे कृषि उत्पादन बढ़ेगा, भूमिगत जलस्तर में सुधार होगा और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। साथ ही, रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

विधायक मंजू दादू ने इन परियोजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए मुख्यमंत्री और जल संसाधन मंत्री से मुलाकात और पत्राचार के माध्यम से अनुरोध किया था। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सिंचाई सुविधाओं का विस्तार ही प्रदेश के समग्र विकास का आधार है और उनकी सरकार इस दिशा में लगातार काम कर रही है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि जनजातीय बहुल नेपानगर विधानसभा में सिंचाई सुविधाओं का यह विस्तार प्रदेश के समग्र विकास का आधार बनेगा।

जनसहयोग से चौराहे पर लगाए सोलर सीसीटीवी कैमरे

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● नगर की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में सराहनीय पहल की गई। रविवार को गो सेवा समिति करही-पाडल्या-आखीपुरा व नगरवासियों के सहयोग से नगर के प्रमुख चौराहे पर सोलर पैनल युक्त तीन सीसीटीवी कैमरे लगाए गए। यह पहला अवसर है जब पूरी तरह जनसहयोग से सीसीटीवी कैमरे स्थापित किए गए हैं। गो सेवा समिति सदस्य पंकज चौकड़े ने बताया युवाओं ने नगर में बढ़ती गतिविधियों को देखते हुए चौराहों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने का विचार किया। आपसी चर्चा के बाद पाडल्या-करही के बीच से निकली ओंकारेश्वर परियोजना चतुर्थ चरण की नहर के पास मुख्य मार्ग पर कतरगांव-बलवाड़ा मार्ग सहित नहर के दोनों ओर से आने-जाने वाले मार्गों को कवर करते हुए तीन सोलर पैनल वाले सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। समिति सदस्यों ने बताया आगे भी नगर के दो से तीन अन्य प्रमुख स्थानों को चिन्हित कर जनसहयोग से सीसीटीवी कैमरे लगाने की योजना है ताकि नगर की सुरक्षा व्यवस्था अधिक सुदृढ़ हो सके। इस दौरान गो

सेवा समिति सदस्य, पुलिस थाना स्टाफ व नगरवासी मौजूद थे। असामाजिक तत्वों पर रखी जा सकेगी नजर टीआई राजेंद्र इंगले ने गो सेवा समिति के युवाओं की पहल की सराहना करते हुए कहा सीसीटीवी कैमरों की स्थापना से असामाजिक गतिविधियों पर अंकुश लगेगा। नगर में प्रवेश करने वाले संदिग्ध व्यक्तियों पर नजर रखने में पुलिस को सहायता मिलेगी। उन्होंने कहा इस तरह के जनसहयोग से किए गए प्रयास समाज के लिए प्रेरणादायक हैं। नगरवासियों ने भी इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि सीसीटीवी कैमरे लगने से लोगों में सुरक्षा की भावना मजबूत होगी। साथ ही अपराध नियंत्रण में मदद मिलेगी।

शार्दुल ठाकुर की जगह अब श्रेयस अय्यर करेंगे मुंबई की कप्तानी

मुंबई (एजेंसी) • श्रेयस अय्यर को चोटिल शार्दुल ठाकुर की जगह विजय हजारे ट्रॉफी के शेष मैचों के लिए मुंबई टीम का कप्तान बनाया गया है। मुंबई क्रिकेटए सोसिएशन ने सोमवार को एक बयान में कहा, 'एमसीए को यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि श्रेयस अय्यर को विजय हजारे ट्रॉफी के शेष लीग मैचों के लिए मुंबई सीनियर पुरुष टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है।' विजय हजारे ट्रॉफी के बाद कप्तान के तौर पर अय्यर का बने रहना भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड से अंतरराष्ट्रीय कर्तव्यों के लिए फिटनेस क्लीयरेंस पर निर्भर करेगा। अय्यर को 11 जनवरी से बड़ौदा में न्यूजीलैंड के खिलाफ शुरु होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए टीम में शामिल किया गया है। उनका चयन इस शर्त पर किया गया था। कि वह

फिटनेस हासिल कर लेंगे। हाल ही में वनडे टीम की घोषणा करते समय बीसीसीआई ने कहा था कि अय्यर की फिटनेस का आकलन सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में किया जाएगा, और अगर उन्हें फिट घोषित किया जाता है तो वह वनडे टीम में शामिल होंगे। अगर अय्यर को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी के लिए हरी झंडी मिल जाती है, तो एमसीए को विजय हजारे ट्रॉफी के नॉकआउट के लिए दूसरा कप्तान चुनना होगा।

एमसीए सचिव उन्मेश खानविलकर ने कहा, 'जब स्थिति साफ हो जाएगी तो हम फैसला लेंगे। श्रेयस बाकी दो लीग मैचों में टीम की कप्तानी करेंगे।' अय्यर पिछले अक्टूबर में सिडनी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे वनडे में कैच लेने की प्रयास करते समय चोटिल होने के बाद प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से बाहर हैं। मंगलवार का मैच तीन महीने से ज़्यादा समय में उनका पहला मैच होगा। मुंबई फिलहाल ग्रुप सी में दूसरे स्थान पर है और अगले राउंड में पहुंचने के लिए अच्छी स्थिति में है। वे अपना अगला लीग मैच मंगलवार को हिमाचल प्रदेश के खिलाफ और आठ जनवरी को पंजाब के खिलाफ खेलेंगे, दोनों मैच जयपुर में होंगे।

फिल्म 'द्रौपदी 2' को सीबीएफसी ने दी यू/ए सर्टिफिकेट

मुंबई (एजेंसी) • फिल्म 'द्रौपदी 2' को लेकर लंबे समय से चर्चा चल रही थी। केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) ने इस तमिल-तेलुगु ऐतिहासिक ड्रामा को यू/ए सर्टिफिकेट दे दिया है, जिससे फिल्म की सिनेमाघरों में रिलीज़ का रास्ता साफ हो गया है। निर्देशक मोहन ने इस महत्वपूर्ण अपडेट को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा किया। उन्होंने नए साल की शुभकामनाएं देते हुए लिखा कि फिल्म इतिहास के उन पन्नों को सामने लाएगी, जिन पर अब तक बहुत कम चर्चा हुई है। फिल्म 'द्रौपदी 2' 14वीं सदी के उस समय को पर्दे पर जीवंत करेगी, जिसे इतिहास में अंधकारमय और उथल-पुथल भरा माना जाता है। फिल्म में दक्षिण भारत की सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक परतों को बड़े पर्दे पर पेश किया जाएगा, जिससे दर्शक इतिहास की गहराई को अनुभव कर सकें। फिल्म निर्माता पहले इसे 23 जनवरी 2026 को रिलीज़ करने पर विचार कर रहे थे, लेकिन अभी तक आधिकारिक तारीख घोषित नहीं हुई है।

न्यूजीलैंड के गेंदबाज फर्ग्यूसन चोट से जूझ रहे, टी20 वर्ल्ड कप को लेकर बढ़ा टेंशन

नई दिल्ली (एजेंसी) •आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप से पहले न्यूजीलैंड को चिंता सता रहा है क्योंकि टीम के सबसे तेज़ और अनुभवी गेंदबाज़ लॉकी फर्ग्यूसन पिंडली चोट से जूझ रहे हैं और इससे उबरने वह संघर्ष कर रहे हैं। आईएलटी20 के दौरान लगी इस चोट ने न सिर्फ उनकी फ्रेंचाइज़ी क्रिकेट योजनाओं को पटरी से उतार दिया, बल्कि भारत और श्रीलंका में होने वाले वर्ल्ड कप की तैयारियों पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। चयनकर्ता अब उनके विकल्पों पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं। दिसंबर में दुबई में खेले गए आईएलटी20 मुकाबले के दौरान लॉकी फर्ग्यूसन को बड़ा झटका लगा। एमआई एमिरेट्स के खिलाफ डेजर्ट वाइपर्स की ओर से गेंदबाज़ी करते हुए उन्होंने अपने दूसरे ओवर में सिर्फ तीन गेंदें ही फेंकी थीं कि पिंडली में तेज दर्द के कारण मैदान छोड़ना पड़ा। शुरुआती जांच में चोट गंभीर पाई गई, जिसके चलते उन्हें पूरे आईएलटी20 सीजन से बाहर होना पड़ा। यही नहीं, इसके बाद उनकी बिग बैश लीग में वापसी की उम्मीद भी खत्म हो गई। फर्ग्यूसन के बाहर होते ही डेजर्ट वाइपर्स ने तुरंत पाकिस्तान के स्पिनर उस्मान तारिक को टीम में शामिल किया और सैम कुरेन ने कप्तानी की जिम्मेदारी संभाली।

वहीं बिग बैश लीग में सिडनी थंडर को भी बड़ा फैसला लेना पड़ा। फर्ग्यूसन की अनुपलब्धता की पुष्टि होते ही थंडर ने इंग्लैंड के ऑलराउंडर डेविड विली को उनके रिप्लेसमेंट के रूप में साइन कर लिया। सिडनी थंडर के जनरल मैनेजर ट्रेंट कोपलैंड ने फर्ग्यूसन के बाहर होने पर दुख जताया। उन्होंने कहा कि लॉकी सिर्फ 150 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाज़ी करने वाले तेज गेंदबाज़ नहीं हैं, बल्कि टीम के माहौल में भी उनका योगदान अहम रहा है। उनके अनुभव और व्यक्तित्व की कमी टीम को खलेगी।

बांग्लादेश के टी20 विश्वकप मैचों को कोलंबो स्थानांतरित कर सकता है आईसीसी

दुबई (एजेंसी) • अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) अगले माह शुरु हो रहे टी20 विश्वकप में बांग्लादेश के सभी मैच श्रीलंका में स्थानांतरित कर सकता है। इसका कारण है कि बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने कहा है कि सुरक्षा कारणों से वह अपनी टीम भारत नहीं भेजे सकता है। इसी को देखते हुए बांग्लादेश ने आईसीसी से अपने ग्रुप स्तर के मैचों को दूसरे स्थलों पर अन्य देश में कराने को कहा है। वहीं रिपोर्ट के अनुसार वर्तमान हालातों को देखते हुए आईसीसी इस अनुरोध पर विचार कर रही है और माना जा रहा है कि इस मैच में शीघ्र ही कोई फैसला आ सकता है। वहीं इससे पहले भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने बांग्लादेशी क्रिकेटर मुस्तफिजुर रहमान को आईपीएल 2026 से बाहर कर दिया। बीसीसीआई के इस फैसले के बाद बीसीबी ने कहा था कि ये कदम सुरक्षा कारणों से भारतीय बोर्ड ने उठाया है। ऐसे में हमारी टीम की सुरक्षा भी वहां खतरे में पड़ जाएगी। इसलिए टीम को भारत नहीं भेजा जा सकता है।

निर्देशक-अभिनेता का तालमेल क्यों जरूरी: यामी गौतम

मुंबई (एजेंसी) • हाल ही में रिलीज हुई फिल्म हक की सफलता का अभिनेत्री यामी गौतम जश्न मना रही हैं। यामी का मानना है कि निर्देशक और अभिनेता का तालमेल ही किसी फिल्म की सफलता की कुंजी होता है। एक्ट्रेस ने इसी बीच अपने थिएटर के दिनों के अनुभवों को याद किया। यामी ने एक मजेदार किस्सा साझा किया। उन्होंने बताया कि स्कूल में थिएटर सीखते समय उन्होंने एक डायलॉग इतने अजीब अंदाज में बोला कि वहां मौजूद सभी लोग हंस-हंसकर लोटपोट हो गए। यामी ने बताया, जब मैं स्कूल में थिएटर सीख रही थी, तब वहां एक नया टीचर आया था। हमें अपनी लाइन अलग अंदाज में बोलनी थी। मुझे याद है मेरा डायलॉग था, चुप रहो, छोटे शैतान, वरना मैं तुम्हारा गला काट दूंगी, जिसे मैंने इतना अजीब तरीके से कहा कि सब हंस-हंसकर लोटपोट हो गए। उन्होंने आगे कहा कि टीचर ने मजाक में कहा, तुम तो किसी गली के आदमी की तरह बोल रही हो, जिस पर उन्होंने हंसते हुए जवाब दिया कि कम से कम उनकी लाइनें याद तो हैं। यामी ने अभिनय और निर्देशक के बीच की रचनात्मक साझेदारी पर भी बात की।

उज्जैन संभाग

फ्रीगंज के फुट ओवरब्रिज को ढहाया, एक घंटे तक ओवरब्रिज और रेलवे लाइन को बंद किया

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन •सोमवार को फ्रीगंज ब्रिज के पास बने रेलवे के फुट ओवरब्रिज को बड़ी क्रेन की मदद से ढहा दिया गया। इस दौरान सुरक्षा की दृष्टि से पुराने शहर और फ्रीगंज को जोड़ने वाले रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) और उज्जैन से भोपाल की ओर जाने वाले रेल मार्ग को करीब एक घंटे के लिए बंद किया गया। एफओबी को सुरक्षित ढहाने के बाद रेलवे लाइन और आरओबी को फिर से शुरू कर दिया गया है।

उज्जैन में आगामी सिंहस्थ को देखते हुए

फ्रीगंज से पुराने शहर को जोड़ने के लिए ब्रिज 91.76 करोड़ रुपए की लागत से बनाया जा रहा है। नया ब्रिज बनने से शहर के बढ़ते ट्रैफिक को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी। पुराने शहर और फ्रीगंज को जोड़ने वाले रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) के निर्माण की प्रारंभिक शुरुआत के बाद ब्रिज निर्माण के बीच रेलवे फुट ओवरब्रिज (आरओबी) बाधा बन रहा था।

रेलवे कॉलोनी से गौण बस्ती को मिलाने वाले करीब 45 साल पुराने रेलवे फुट ओवर ब्रिज (आरओबी) को हटाने के लिए रेलवे, जीआरपी, आरपीएफ के आला अधिकारी की मौजूदगी में भरी भरकम क्रेन की मदद से सुरक्षित हटा दिया गया।

अब लग रहे हैं सोलर ट्रैफिक सिग्नल, सिंहस्थ की तैयारी, बिजली जाने पर भी नहीं रुकेगा ट्रैफिक

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • ट्रैफिक सिग्नल सौर ऊर्जा से संचालित होंगे। इससे बिजली गुल होने पर भी यातायात व्यवस्था बाधित नहीं होगी, जिससे चौराहों पर लगने वाले जाम और अफरा-तफरी से निजात मिलेगी। सिंहस्थ 2028 और भविष्य की जरूरतों को देखते हुए उज्जैन की यातायात व्यवस्था को आधुनिक बनाया जा रहा है। इसी क्रम में शहर में सौर ऊर्जा से चलने वाले ट्रैफिक सिग्नल लगाए गए हैं। नानाखेड़ा स्थित सी-21 मॉल के सामने लगे सिग्नल सहित चार अन्य स्थानों पर इनकी शुरुआत की गई है। ये सिग्नल फिलहाल टेस्टिंग मोड में हैं और जल्द ही पूरी तरह चालू हो जाएंगे। पुलिस मुख्यालय की पहल पर यह योजना प्रदेश के पांच शहरों - उज्जैन, इंदौर, भोपाल, ग्वालियर और जबलपुर में लागू की गई है। उज्जैन में पहले चरण में चार प्रमुख चौराहों पर सोलर पैनल से संचालित ट्रैफिक सिग्नल स्थापित किए गए हैं। पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा ने जानकारी दी कि घासमंडी सांदीपनि चौराहा, सी-21 मॉल के सामने नानाखेड़ा, दौलतगंज चौराहा और खाकचौक चौराहा पर सोलर पावर से चलने वाले सिग्नल लगाए गए हैं। इन सिग्नलों में बैटरी बैकअप भी है, जिससे बिजली कटौती के दौरान भी ये लगातार चालू रहेंगे।

आदर्श नगर में बदबूदार पानी, इंदौर हादसे के बाद चिंता बढ़ी, सीवरेज कार्य से समस्या बढ़ी

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पानी पीने से हुई मौतों और दर्जनों लोगों के बीमार होने की घटना के बाद अब उज्जैन में भी पानी की गुणवत्ता को लेकर चिंता बढ़ गई है। नगर निगम के नागझिरी क्षेत्र स्थित आदर्श नगर कॉलोनी के रहवासी गंदे और बदबूदार पानी से परेशान हैं।

रहवासियों का कहना है कि लंबे समय से नलों में काला, मटमैला और बदबूदार पानी आ रहा है। देवास रोड स्थित आदर्श नगर में पीएचई की लाइन मौजूद है, लेकिन जब से सीवरेज लाइन का काम शुरू हुआ है, तब से पानी की समस्या गंभीर हो गई है।

नागरिक इंसाफ कुरैशी ने बताया कि नलों से लगातार गंदा पानी आ रहा है। इसकी कई बार शिकायत की गई, लेकिन लंबे समय तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। अब निगम के अधिकारी मौके पर आकर जल्द सुधार का आश्वासन दे रहे हैं।

रहवासी एस.एम. आरिफ ने आरोप लगाया कि पानी इतना गंदा आता है कि मजबूरी में उसे फेंकना पड़ता है। उन्होंने कहा, 'जब कभी साफ पानी आता है, तभी उसका उपयोग करते हैं। पहले भी समस्या थी, लेकिन अब स्थिति ज्यादा बिगड़ गई है।'

स्थानीय निवासी एजाज शेख ने बताया कि उनके घर में बोरिंग है, लेकिन आसपास के पड़ोसी गंदे पानी के कारण काफी परेशान हैं। उन्होंने शासन और नगर निगम से जल्द से जल्द स्थायी समाधान की मांग की है। नगर निगम कमिश्नर अभिलाष मिश्र ने बताया कि टीम द्वारा दो-तीन बार मौके का निरीक्षण किया गया है। फिलहाल जिन जगहों पर पाइपलाइन बदलने में समय लग रहा है, वहां वैकल्पिक व्यवस्था के तौर पर टैंकरों से पानी की सप्लाई की जा रही है, ताकि रहवासियों को राहत मिल सके।

महाकाल मार्ग पर अवैध निर्माण ध्वस्त, नगर निगम ने 3 मंजिला होटल पर की कार्रवाई

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • उज्जैन नगर निगम ने महाकाल मार्ग पर अवैध निर्माण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। सोमवार सुबह निगम की टीम ने नेहा होटल के समीप किए गए अवैध निर्माण को ध्वस्त किया।

निगम अधिकारियों के अनुसार, भवन क्रमांक 97/7 ए पर नूरजहां पति गुलाम मोहम्मद द्वारा बिना अनुमति के जी प्लस 3 मंजिला होटल का अवैध निर्माण किया जा रहा था। यह निर्माण नगर निगम के जोन क्रमांक 3 के तहत आता है। निगम ने संबंधित पक्ष को पूर्व में भी बिना अनुमति निर्माण कार्य न करने के लिए सूचना पत्र जारी किया था।

नगर निगम की टीम ने अवैध निर्माण ध्वस्त किया

अधिकारियों ने बताया कि संबंधित पक्ष ने न्यायालय का रुख किया था, लेकिन उन्हें कोई स्थगन आदेश नहीं मिला। इसके बावजूद अवैध निर्माण कार्य जारी रखा गया। इसके बाद नगर निगम ने नियमानुसार कार्रवाई करते हुए पुलिस बल की मौजूदगी में पोकलेन मशीन की

सहायता से अवैध निर्माण को ध्वस्त कर दिया।

इस कार्रवाई के दौरान सहायक आयुक्त प्रवीण मुकाती, महाकाल थाना प्रभारी गगन बादल, भवन अधिकारी दीपक शर्मा और रिमूवल गैंग प्रभारी मोनू थनवार सहित नगर निगम का अमला और पुलिस बल मौके पर मौजूद रहा।

अभी भी 15 मरीज आईसीयू में मौत और जिंदगी से जूझ रहे, दूसरे दिन भी अलसुबह कलेक्टर और आयुक्त पहुंचे भागीरथपुरा

शहर में नहीं थम रहा है दूषित पानी पीने से मौतों का सिलसिला, एक और मौत

शहर में नहीं थम रहा है दूषित पानी पीने से मौतों का सिलसिला, एक और मौत, क्षेत्र के लोगों में पानी को लेकर खौफ बरकरार

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● भागीरथपुरा में दूषित पानी पीकर मरने वालों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। सोमवार को एक और मौत इलाज के दौरान हुई है। वहीं आईसीयू में अभी भी करीब 15 मरीज जिंदगी और मौत जूझ रहे हैं। सोमवार को ओमप्रकाश शर्मा (69 वर्ष) निवासी धार की मौत हुई है। वो सेवानिवृत्त पुलिसकर्मी थे और अपने बेटे से मिलने भागीरथपुरा आए थे।

इस प्रकार गैर सरकारी आंकड़ों के मुताबिक भागीरखपुरा में दूषित पानी पीकर मरने वालों की संख्या 17 हो गई है। वहीं प्रशासन ने अब तक दूषित पानी कांड में मौतों का आंकड़ा जारी नहीं किया। केवल कोर्ट में 4 मौतों की बात स्वीकार की है। वहीं मंत्री कैलश विजवर्गीय ने यह बात जरूरी मानी थी मृतकों की संख्या 14-15 है।

2 जनवरी को आईसीयू में भर्ती किया गया था: ओमप्रकाश शर्मा (69) स शिव विहार कॉलोनी धार के रहने वाले थे। वेअपने बेटे से मिलने इंदौर आए थे। उन्हें जनवरी को उल्टी दस्त के कारण एक प्राइवेट हॉस्पिटल में एडमिट किया गया था। जांच में उनकी किडनी का खराब होना पाया गया था। रविवार रात तक की स्थिति में 15 मरीजों का आईसीयू में इलाज चल रहा है। अब तक कुल 398 मरीज अस्पतालों में भर्ती किए गए, जिनमें से 311 को डिस्चार्ज किया जा चुका है। अलग-अलग अस्पतालों में 110 मरीजों का इलाज जारी है। वहीं भागीरथपुरा में पानी को लेकर लोगों में अभी भी खौफ कायम है। लोग अपने बच्चों को सुरक्षित स्थान में भेज रहे हैं। कई घरों में ताले नजर आ रहे हैं। वहीं स्वास्थ विभाग की पूरी टीम क्षेत्र में घरोघर पहुंचर कर सर्वे कर रही और बीमारों को ढूंढकर इलाज कर रही है। वहीं एम्स, भोपाल, दिल्ली और कोलकाता से आई टीम भी पूरे क्षेत्र में सक्रिय है।

चिकित्सा संस्थान अवकाश के दिनों में समान्य दिनों के तरह खुलेंगे: इंदौर में वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित सभी चिकित्सा संस्थानों के संचालन के संबंध में दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। इस संबंध में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. माधव हास्यानी द्वारा आदेश जारी किए गए है। डॉ. हासानी ने बताया कि समस्त प्रकार के अवकाशों को तत्काल प्रभाव से अन्य आगामी आदेश तक निरस्त करते हुए अवकाश (शनिवार, रविवार एवं अन्य शासकीय) के दिनों में भी स्वास्थ्य विभाग के कार्यालय एवं विभाग द्वारा संचालित समस्त चिकित्सा संस्थान सामान्य दिनों की तरह ही क्रियाशील रहेंगे। समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने निर्धारित समय पर कार्यालय, स्वास्थ्य संस्थाओं एवं फील्ड में उपस्थित रहें। साथ ही निर्देश दिए गए है कि कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अति आवश्यक होने पर ही अवकाश प्रदान किया जाए एवं संबंधित के अवकाश अवधि में उनका कार्य किसी अन्य व्यक्ति (लिंक पर्सन) से संपादित कराना सुनिश्चित किया जाए।

... तो घरों में आरओ लगवा दो : भागीरधपुर क्षेत्र में पीने के पानी को लेकर खंफ का माहौल कायम है। यो क्षेत्र में बने राजनीतिक अखाडे को लेकर भी नाराज हैं। उनका कहना है कि हमारी इतनी चिंता है, तो हर घर में आरओ लगवा दो। तब तक टैंकर से पानी सप्लाई किया जाएगा। पैसे क्षेत्र में पाइपलाइन की मरम्मत का कार्य तेजी से चल रहा है। बोरिंग में भी लोकज की जांच की जा रही है। अ अधिकारी भी इस बाल को मानने के लगे हैं कि पूरे क्षेत्र में नई पप लाइन की जरूरत है, क्यंचि थोड़ी सी चूक से हालत चदल सकते हैं। जब तक पूरे क्षेत्र में लीकेज नहीं सुभरते या नई सप्लाई लाइन नहीं डालते हालतों में लगातार नजर रखने की जरूरत रहेगी। साथ ही पीने के पानी के लिए भी टैंकरों का इंतजाम नियमित रूप से किया जाता रहेगा। साक पानी की मांग की देखते हुए अब गलियों में बिसलरी से भरी गाडिया भी घूमने लगी हैं। वहीं कैपर वालों ने भी पानी का रेट भागीरथपुर, तो ठीक अन्य क्षेत्र में भी यदा दिए है।

क्षेत्र में लगातार सामने आए उल्टी-दस्त के मरीज : सेमवार को स्वास्थ्य विभाग ने भागीस्थपुरा प्रभावित क्षेत्र में भारत सरकार के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. चंद्रशेखर मेदाम तथा जिला प्रशासन द्वारा सीमावर कोबी टूल का प्रशिक्षण दिया गया। इस टूल के माध्यम से किसी भी स्थिति का रियल टाईम में वस्तिविक मूल्यांकन किया जा सकता है। इस हेतु भागीस्थपुरा क्षेत्र में विस्तृत सर्वे किया गया। सीएमएवओ डॉ. माधा प्रसाद हासानी के निर्देशन में लगभग 200 टीमें बनाई गई, प्रत्येक टीम ने पहले से मार्क किए गए घरों में कोबो टूल के माध्यम से रियल टाइम सर्वे किया। इसमें उन्होंने प्रत्येक घर में औ.आर.एस. के 10 एवं जिंक की 30 टेबलेट वितरित की। इसके साथ-साथ ही एक विलनोट अप भी वितरित की गई। टीम द्वारा यह बताया गया कि क्लिनबेट 10 लीटर पानी में 08-10 बूंद डाल कर, एक घंटा रखने के बाद उपयोग करें, इससे पानी शुद्ध होता है। प्रत्येक टीम को 25 घरों का दौरा करना था, प्रत्येक सब-टीम में विकित्सक, नर्सिंग ऑफिसर, सीएचओ आशा एवं एएनएम सम्मिलित थी, अज इन टीमों ने 2745 घरी तक पहुंच बनायी जिसमे लगभग 14000 लोगों तक पहुंच कर किट का वितरण कर आईईसी गतिविधि एवं परमर्श दिया, इस सर्वे का मुख्य उद्देश्य प्रभावित क्षेत्र में आम जन को क्लोरीनेटेड पानी उपलब्ध करवाना ताकि वे रोगाणु मुक्त जल का उपयोग कर स्वास्थ्य लाभ कर सकें। सोमवार को भागीरथपुरा प्राथमिक स्वस्थ्य केंद्र में उल्टी दस्त के 38 केस मिले जिसमे से 06 कैस रेफर किये गए।

टैंकर का पानी भी पीने से पहले उबालें

कलेक्टर शिवम वर्मा ने कहा कि प्रभावित क्षेत्र में वर्तमान में टैंकरों के माध्यम से पेयजल की आपूर्ति की जा रही है। टैंकर से प्राप्त पानी को पीने से पूर्व उबालकर एवं छानकर ही उपयोग में लेने के लिए नगर निगम की टीम द्वारा पंपलेट के माध्यम से नागरिकों को जागरूक किया जा रहा है। साथ ही प्रभावित क्षेत्र के नागरिकों की सतत स्वास्थ्य जांच की जा रही है। यदि किसी भी नागरिक में किसी प्रकार के लक्षण दिखाई देते हैं तो तत्काल प्राथमिक जांच कर आवश्यक उपचार सुनिश्चित किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि भागीरथपुरा में हो पाइप लाइन से जो पानी सप्लाई हो रहा था, उसमेंमें सीवर का पानी मिलने से हड़कंप मचा हुआ है। लैब रिपोर्ट में पानी के नमूनों में ई-कोलाई, विनियों और फीकल कॉलिफॉर्म जैसे जानलेवा बैक्टीरिया पाए गए हैं, जिससे हैजा और खयरिया जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। यही कारण है कि यह पानी पीने योग्य नहीं है।

कई कॉलोनियों में ड्रेनेज और पानी की सप्लाई साथ-साथ

भागीरथपुरा की तरह ही शहर के कई कॉलेनियों में ड्रेनेज लाइन के साथ ही नर्मदा और बोरिंग की सप्लाई लाइन डली हुई है। कई इलाकों में लाइन इतनी पुरानी हो चुकी है कि सड़ने लगी है। इस कारण इन इलाकों में भागीरथपुरा की तरह दूषित जल कांड का खतरा मंडरा रहा है। इन वालोनियों में से ज्यादातर में ड्रेनेज लाचन के लिए बैक लाइन नहीं है और अवैध कालोनी है। वहीं नगर निगम ने पूरे इंदौर के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी किया है. जिसमें आ रही दुषित पानी की शिकायतों को दूर कर रहे हैं।

अपर आयुक्त के नियंत्रण में रहेगा जल वितरण

उक्त 32 बीटों में संपादित की जाने वाली कार्यवाहियों के नियंत्रण एवं पर्यवेक्षण हेतु अपर आयुक्त प्रखर सिंह, अर्थ जैन, आकाश सिंह, आशीष पाठक, अभय राजनगांवकर, मनोज पाठक, श्रृंगार श्रीवास्तव एवं नरेंद्र नाथ पांडे को उनके अपने आवंटित बीट क्षेत्रों में संपूर्ण नियंत्रण एवं पर्यवेक्षण का दायित्व सौंपा गया है। संबंधित अपर आयुक्तगण द्वारा अपने आवंटित बीट क्षेत्रों में प्रतिदिन निरंतर भ्रमण करते हुए नागरिकों से समन्वय स्थापित किया जाएगा तथा पेयजल, सफाई एवं उपचार से संबंधित समस्त व्यवस्थाओं को सुनिश्चित कराया जाएगा। साथ ही दिन-प्रतिदिन की प्रगति एवं स्थिति से निगम आयुक्त को नियमित रूप से अवगत कराया जाएगा।

क्लोरिनेशन सिस्टम पर सतत निगरानी एवं गुणवत्ता सुनिश्चित करें

इंदौर। आयूल क्षितिज सिंघल द्वारा सोमवार कबीटसखेड़ी स्थित सीवरेज ट्रीटमेंट प्लाट क अवलोकन किया गया। निरीक्षण के दौरान आयुक्त सिंधत ने प्लांट की संपूर्ण कार्यप्रणाली, जल शोधन प्रक्रिया, मशीनरी की स्थिति तथा जल आपूर्ति से संबंधित व्यवस्थाओं की जानकारी ली गई। निरीक्षण के समय आयुक्त सिंधत द्वारा विशेष रूप से जल शोधन में उपयोग किए जा रहे क्लोरिनेशन सिस्टम की जाथ की गई। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जल की गुगवता को सर्वोच्च स्तर पर बनाए रखने हेतु क्लोरिनेशन प्रक्रिया पर सतत एवं प्रभावी निगरानी सुनिश्चित की जाए।

मंत्री सिलावट सेम्स में मरीजों से मिले

मंत्री तुलसीराम सितावट सीमवार को अरविंद अस्पताल पहुंचे। उन्होंने भागीरखपुर के प्रभावित भर्ती मरीजों से मिलकर उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने प्रभावितों के परिजनों को विश्वास दिलाया कि घबराएँ नहीं, राज्य शासन उनके साथ है। अस्पताल में भर्ती सभी मरीजों का मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर समुचित नि:शुल्क बेहतर उपचार किया जा रहा है। सभी प्रभावित मरीज शीघ्र स्वास्थ्य डेकर अपने-अपने घरों को लौटेंगे। जल संसाधन मंत्री श्री सिलावट ने प्रभावितों के परिजनों से भी स्वास्थ्य उपचार के सम्बंध में विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने अरशिदो अस्पताल के सभी डॉक्टरों की भी निर्देशित किया है कि वे अस्पताल में भर्ती प्रभावितों का उपचार और उनकी देखभाल पर विशेष ध्यान दें।

सीएसएचओ ने आदेश वापस लिए

सीएमएचओ डॉ. माधव हसानी ने पहले आदेश जारी किया था कि एकेडमिक को देखते हुए इस मामले में जुटे स्वास्थ्यकर्मियों के अवकाश निरस्त किए गए है। अब उन्होंने कहा है कि यह महामारी नहीं बल्कि आउटब्रेक है। अब संशोधित आदेश जारी किया गया है। इसमें छुट्टियां कैंसिल नहीं की गई है बल्कि ओ अवकाश है, यह यथावत रहेंगे। एम्स भोपाल के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. केतन मेहरा ने बतलाया कि जब कोई बीमारी बहुत बड़े क्षेत्र में फैल जाए और कई देशों या पूरे विश्व को अपनी चपेट में ले ले, तो पैडेनिक कहा जाता है। इसमें बीमारी सिर्फ एक जगह तक सीमित नहीं रहती, बल्कि महाद्वीपों को पार कर जाती है। मरीजों की संख्या बहुत ज्यादा होती है और इसका असर स्वास्थ्य व्यवस्था, अर्थव्यवस्था और सामान्य जीवन पर पड़ता है। कोविड-19 इसका सबसे ताजा उदाहरण है। भोपाल के स्टेट सर्विलांस अधिकारी डॉ. अश्चिन भागवत ने कहा- किसी क्षेत्र में बीमारी से मरीजों की संख्या सामान्य से ज्यादा बढ़ती है तो उसे आउटब्रेक कहा जाता है। भागीरथपुरा में आउटब्रेक था लेकिन अब तेजी से मरीजों की सख्या घटी है। इसके साथ ही डिजिटल सर्वे भी किया जा रहा है। स्थिति पहले से काफी नियंत्रित है।

भागीरथपुरा को 32 बीटों में बांटा

कलेक्टर शिवम वर्मा एवं नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल दूसरे दिन सोमवार को प्रात: काल भागीरथपुरा टंकी परिसर में समस्त अपर आयुक्तों, नगर निगम एवं जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ भागीरथपुरा क्षेत्र में की जा रही पेयजल टैंकर व्यवस्था, सफाई, स्वास्थ्य एवं उपचार संबंधी व्यवस्थाओं का स्थल निरीक्षण कर जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान भागीरथपुरा क्षेत्र के प्रभावित स्थलों पर पेयजल टैंकरों की उपलब्धता, सफाई व्यवस्था, संजीवनी क्लिनिक के माध्यम से उपचार, नागरिकों की सुरक्ष एवं स्वास्थ्य सेवाओं के संबंध में की जा रही कार्यवाहियों की समीक्षा की गई। इस अवसर पर कलेक्टर वर्मा एवं निगम आयुक्त सिंघल द्वारा समस्त अपर आयुक्तों, विभागीय अधिकारियों एवं एनजीओ टीम को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। आयुक्त सिंघल के निर्देशानुसार जोन क्रमांक 4 अंतर्गत वार्ड क्रमांक 11 स्थित भागीरथपुरा क्षेत्र में जल वितरण की पर प्रभावी नियंत्रण हेतु संपूर्ण क्षेत्र को 32 बीटों में विभाजित किया गया है। इन बीटों के माध्यम से जल वितरण पर नियंत्रण, स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति तथा संपूर्ण क्षेत्र में व्यापक सफाई अभियान की कार्यवाही सतत रूप से की जा रही है।

बोरिंग के नाम पर पार्षद ने मांगे पैसे, दूषित पानी से मौत के बीच भागीरथपुरा की महिलाओं ने लगाए आरोप

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● भागीरथपुरा क्षेत्र की रेडवाल कॉलोनी में जलसंकट गहराने के कारण शनिवार को सैकड़ों महिलाओं ने स्थानीय पार्षद कमल वाघेला के खिलाफ प्रदर्शन किया। महिलाएं खाली बाल्टियां लेकर सड़क पर उतरीं और नारेबाजी करते हुए पार्षद पर गंभीर आरोप लगाए। उनका कहना है कि कॉलोनी में लंबे समय से पीने के पानी की समस्या बनी हुई है, लेकिन पार्षद इसे हल करने के बजाय बोरिंग के नाम पर लोगों से पैसे वसूल रहे हैं।

प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि पार्षद ने सरकारी पानी की टंकी को अपनी 'निजी हवेली' की तरह इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है, जबकि कॉलोनी की अधिकांश जनता पानी की कमी का सामना कर रही है। नलों में कई दिन तक पानी नहीं आना आम बात हो गई है।

20 से 25 हजार रुपए वसूले रहवासियों के अनुसार, यह पहला मामला नहीं है। पहले भी ड्रेनेज लाइन बिछाने के नाम पर हर घर से 20 से 25 हजार रुपए वसूल किए गए थे। बावजूद इसके ड्रेनेज की समस्या जस की तस बनी हुई है। अब ड्रेनेज सुधार के नाम पर दोबारा पैसों की मांग की जा रही है, जिसने लोगों में गुस्सा और रोष और बढ़ा दिया है। महिलाओं ने जिला प्रशासन और नगर निगम से मांग की है कि बुनियादी समस्याओं का तुरंत समाधान किया जाए और पार्षद के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों की निष्पक्ष जांच कराई जाए। मामले में क्षेत्रीय पार्षद कमल वाघेला से उनका पक्ष जानना चाहा, मगर उन्होंने कॉल रिसीव नहीं किया।

भागीरथपुरा त्रासदी के बाद शहर के कई कार्यक्रम रद्द आरएसएस ने भी हिंदू सम्मेलन निरस्त किया

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शहर के भागीरथपुरा क्षेत्र में दूषित जल के कारण हुई जनहानि के कारण शहर में होने वाले कई आयोजन या तो स्थगित हो गए है या आगे बढ़ा दिए गए है। भागीरथपुरा क्षेत्र की तीन बस्तियों में स्थानीय समाज व संगठनों द्वारा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर हिन्दू सम्मेलन आयोजित करने की योजना थी जिसे वर्तमान परिदृश्य के कारण निरस्त किया गया है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सभी स्वयं सेवक तथा समाज जन इस कठिन परिस्थिति में पीड़ित परिवारों के साथ हैं तथा आवश्यक सहयोग में सहभागी रहेंगे।

स्थानीय स्वयंसेवक प्रत्येक गली में संपर्क व संवाद करके सेवा कार्य कर रहे हैं तथा पीड़ित परिवारों को आवश्यक चिकित्सीय सुविधा उपलब्ध कराने में सहयोग व समन्वय कर रहे हैं। आईडीसीए की बैठक अब 17 को: संभागीय क्रिकेट संगठन इंदौर की वार्षिक साधारण सभा 4 जनवरी को होने वाली थी, लेकिन शहर में हुए अत्यंत दुखद हादसे को देखते हुए, निर्णय लिया गया है कि अब वार्षिक साधारण सभा की बैठक को अब यह बैठक 17 जनवरी शनिवार शाम 6 बजे जिमखाना मैदान पर आयोजित होगी।

वार्षिक स्नेह मिलन एवं उद्योगपति सम्मान समारोह निरस्त

एसोसिएशन ऑफ इंडस्ट्रीज मध्यपदेश द्वारा गत 4 जनवरी को वार्षिक स्नेह मिलन एवं उद्योगपति सम्मान समारोह का आयोजन किया गया था, लेकिन इंदौर के भागीरथपुरा क्षेत्र में हुए दुखद घटनाक्रम एवं दिवंगतों के प्रति अपनी गहरी शोक संवदेना स्वरूप आयोजन को आगामी तिथि तक स्थगित कर दिया है। अध्यक्ष योगेश मेहता ने बताया कि इस आयोजन में मुख्यमंत्री भी आने वाले थे।

सौगात छह स्थानों पर जमीन की 14 मीटर गहराई तक पिलर खड़े किए जा रहे

एयरपोर्ट से रीगल तक 7 अंडर ग्राउंड स्टेशन में से 6 का निर्माण कार्य शुरू

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● एयरपोर्ट से रीगल तक प्रस्तावित 8.7 किलोमीटर हिस्से में सात अंडर ग्राउंड स्टेशन में से छह का निर्माण शुरू हो चुका है, लेकिन छोटा गणपति पर अंडर ग्राउंड मेट्रो स्टेशन के निर्माण में कुछ उलझनें बनी हुई हैं। इसे लेकर अफसरों की एक टीम रविवार को मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया। अंडर ग्राउंड स्टेशन के छह स्थानों पर जमीन की 14 मीटर गहराई तक पिलर खड़े किए जा रहे हैं।

खोदाई कर पिलर तैयार करने का कार्य प्रारंभ-अंडर ग्राउंड मेट्रो स्टेशन ओपन कट तकनीक से तैयार करने का कार्य शुरू कर दिया है। इसके लिए उच्च क्षमता वाली पाइलिंग मशीनों ने जमीन के 14 मीटर खोदाई कर पिलर तैयार करने का कार्य प्रारंभकर दिया है। आरएपीटीसी की जमीन पर तीन पाइलिंग मशीनें रात-दिन ड्रिलिंग कर रही हैं। यहां लगभग 300 पिलर जमीन के नीचे तैयार किए जाएंगे, जिनके सहारे मेट्रो स्टेशन का निर्माण होगा। बड़ा गणपति और नगर निगम के पास भी अंडर ग्राउंड मेट्रो स्टेशन के निर्माण का कार्य शुरू हो गया है। मेट्रो का इस तरह होगा विस्तार इंदौर से पीथमपुर और इंदौर से उज्जैन के बीच मेट्रो चलाने के लिए एजेंसी का चयन किया जाएगा। इस हिस्से की कार्ययोजना भी बनाई जाएगी। बंगाली चौराहे से रीगल तक के हिस्से को अंडर ग्राउंड करने के लिए निर्माण एजेंसी का चयन किया जाएगा। सुपर कॉरिडोर के पांच मेट्रो स्टेशनों पर बार कोड स्कैनिंग टिकटिंग सिस्टम शुरू होगा।

नेटम तकनीक से स्टेशन बनाने पर विचार-छोटा गणपति स्टेशन के निर्माण पर रहवासियों के विरोध के बाद यहां ओपन कट के बजाय नेटम तकनीक से अंडरग्राउंड स्टेशन बनाने पर विचार किया जा रहा है। ओपन कट तकनीक में 200 मीटर लंबाई और 28 मीटर चौड़े हिस्से को जमीन की सतह के ऊपर से खोदकर स्टेशन का निर्माण किया जाता है। इसके पहले जमीन के नीचे पिलर तैयार किए जाते हैं। वहीं, नेटम तकनीक में 80 मीटर लंबाई और 28 मीटर चौड़े हिस्से में कट लगाकर जमीन के नीचे पहुंचकर ब्लास्टिंग के माध्यम से खोदाई की जाती है। मृदा परीक्षण में छोटा गणपति पर 14 मीटर गहराई में कठोर चट्टानें मिली हैं। मेट्रो प्रबंधन आइआइटी के विशेषज्ञों से चर्चा कर रहा है कि यहां का अंडर ग्राउंड स्टेशन कितनी गहराई पर बनाया जाएगा। अंडरग्राउंड सात स्टेशनों में छोटा गणपति को तैयार करने में समय और लागत अधिक आएगी।

आरटीओ ने की स्लीपर बसों की जांच, रिपोर्ट मांगी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● आरटीओ ने शहर से निकलने वाली स्लीपर बसों की जांच रिपोर्ट एक सप्ताह में मांगी है। आरटीओ ने बस आपरेटरों को स्लीपर यात्री बसों के संबंध में पूर्व में निर्देश जारी किए थे। जानकारी के मुताबिक आरटीओ ने अधिनस्थ अधिकारियों की हाल ही में एक बैठक लेते हुए इन बसों की जांच की रिपोर्ट मांगी है। आरटीओं ने अधिकारियों को आदेश दिए गए थे कि वे शहर से निकलने वाली स्लीपर यात्री बसों की जांच कर रिपोर्ट दे। यह पहल यात्रियों में सुरक्षा के प्रति जागरुकता बढ़ाने के उद्देश्य से की जा रही है। हमारा लक्ष्य है कि यात्रियों को सिर्फ टिकट देकर रवाना न किया जाए, बल्कि उन्हें यह भी बताया जाए कि किसी आपात् स्थिति में क्या किया जाए। स्लीपर यात्री बसों में समस्त प्रकार के सुरक्षा उपाय जैसे मानक स्तर के अग्निशमन यंत्र आदि बस के दोनों ओर आगे एवं पीछे अनिवार्य रूप से लगे हों। बस में किसी भी प्रकार के ज्वलनशील पदार्थ जैसे पेट्रोल, डीजल, केरोसीन, पटाखे एवं अन्य ज्वलनशील पदार्थों का परिवहन किसी भी स्थिति में नहीं किया जाये। बस में आपातकालीन द्वार बिना किसी अवरोध के आसानी से खुलने योग्य साथ ही अन्य सुरक्षा मापदण्ड जैसे स्पीड गवर्नर, (व्हीकल लोकेशन ट्रैकिंग डिवाइस), पैनिक बटन सुचारू से कार्यरत होना चाहिये। बसों के टायर अच्छी स्थिति में होना चाहिये। टायर रिमोल्ड, घिसे पिटे अथवा कटे हुए नहीं होना चाहिये।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरुद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।